● सीधी, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 36, अंक 151, पृष्ठ : 08, सीधी, बुधवार, 10 जुलाई 2024 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

शिक्षा प्रणाली को तहस-नहस किया : सचदेवा 5

ढाई महीने बाद मैदान में दिखेंगे सीनियर क्रिकेटर 6

पीएम मोदी को मिला रूस का सर्वोच्च सम्मान

राष्ट्रपति पुतिन से यूक्रेन युद्ध पर बात, रूस में दो नए वाणिज्य दूतावास खोलेगा भारत

मॉस्को। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को रूस के दो दिवसीय दौरे पर राजधानी मॉस्को पहुंचे। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने गर्मजोशी से गले मिलकर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। दोनों नेताओं के बीच आज शिखर वार्ता होनी है। इससे पहले सोमवार को रूस पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का भव्य स्वागत किया गया। पुतिन के आवास पर दोनों शीर्ष नेताओं की मुलाकात हुई।

प्रधानमंत्री मोदी को रूस के सर्वोच्च सम्मान 'ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू' से सम्मानित किया गया। पीएम मोदी ने कहा, 'रूस के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित होने पर मैं मित्र पुतिन का धन्यवाद अदा करता हूं। यह भारत और रूस की सदियों पुरानी गहरी मित्रता का सम्मान है। ये हमारी आपसी साझेदारियों का सम्मान है।'

व्लादिमीर पुतिन ने पीएम मोदी को कजान में ब्रिक्स सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया है। यह शिखर सम्मेलन 22 से 24 अक्टूबर को रूस में आयोजित किया जाएगा। पीएम मोदी ने कहा 'मुझे इस बात का संतोष है कि कल हम इतने खुले मन से बात कर रहे थे। कोई लीपापोती नही थी। मैंने देखा कि बहुत सारे विचार थे। मैं एक नई सोच महसूस कर रहा हूं और एक नई सोच सामने आई है। शांति की बहाली में भारत हर संभव सहयोग करने के लिए तैयार है। विश्व समुदाय को आश्वस्त करता हूं कि भारत शांति के पक्ष में है। शांति के लिए मेरे मित्र पुतिन की बातों को सुनकर मुझमें नई आशा जगी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ वार्ता में अपने वक्तव्य में कहा, 'मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में हमारे संबंध और मजबूत होंगे। ऊर्जा क्षेत्र में भारत और रूस के सहयोग से दुनिया को भी मदद मिली है। भारत लगभग 40 वर्ष से आतंकवाद की चुनौती का सामना कर रहा है। मैं सभी प्रकार के आतंकवाद की निंदा करता हूं। दुनिया को पिछले पांच वर्ष में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। पहले कोविड-19 की वजह से और फिर अनेक संघर्षों के कारण दुनिया को कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा।'

रूस के शहीद सैनिक स्मारक पहुंचकर पीएम मोदी ने श्रद्धांजलि अर्पित की। द्वितीय विश्व युद्ध के शहीदों के सम्मान में ये स्मारक बनाया गया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस में दो नए वाणिज्य दूतावास खोलने का एलान किया है। पीएम मोदी ने बताया कि रूस के कजान और येकातेरिनबर्ग में भारत को वाणिज्य दूतावास खोले जाएंगे। मॉस्को में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने यह एलान किया। उन्होंने कहा कि मैं आपसे एक अच्छी खबर साझा करना चाहता हूं। हमने तय किया है कि हम कजान और येकातेरिनबर्ग में नए वाणिज्य दूतावास खोलेंगे।

कांग्रेस बैसाखी पर चलने वाली पार्टी : नड्डा

भाजपा अध्यक्ष का कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियों पर वार

तिरुवनंतपुरम। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वे वैचारिक रूप से दिवालिया हो चुके हैं और सत्ता के भूखे हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिण में लोकसभा में कमल खिल चुका है। उन्होंने कांग्रेस को बैसाखी से सहारे चलने वाली पार्टी बताया।

हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में केरल में पहली बार भाजपा प्रत्याशी की जीत हुई है। अभिनेता से नेता बने सुरेश गोपी ने त्रिशूर लोकसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा था। यह सीट पर मुकाबला त्रिकोणीय रहा था, जिसमें कांग्रेस, बीजेपी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के उम्मीदवारों के बीच कड़ी टक्कर रही। तिरुवनंतपुरम में मंगलवार को भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों की एक बड़ी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियों पर निशाना साधा। उन्होंने दोनों पार्टियों को वैचारिक रूप से दिवालिया और सत्ता के भूखे करार दिया। जेपी नड्डा ने कहा कि कम्युनिस्ट भी अपने बेटे-बेटियों को आगे बढ़ाकर कांग्रेस की नकल कर रहे हैं। उन्होंने कहा, आप समझ रहे हैं कि मेरा क्या मतलब है।

दरअसल हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों के बाद वे केरल में पहली बार दौरे पर आए हैं। पहले ही दौरे में भाजपा प्रमुख ने कांग्रेस पर हमला करते हुए उसे परजीवी करार दिया। उन्होंने कहा कि इस साल आम चुनावों में क्षेत्रीय दलों की मदद और समर्थन की बदौलत कांग्रेस ने सीटें जीती हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस परजीवी की तरह हैं। उनका खुद का स्ट्राइक रेट खराब है। उन्होंने कहा कि जहां-जहां कांग्रेस भाजपा से मुकाबला कर रहे थे वहां 60 से अधिक सीटों में से केवल दो पर कांग्रेस जीत पाई है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस बैसाखी पर चलने वाली पार्टी है। वह अपने पैरों पर खड़ी नहीं हो सकती। क्षेत्रीय दलों के समर्थन की बदौलत उनकी राष्ट्रीय उपस्थिति है। उन्होंने कहा कि एक कहानी बनाई गई थी कि भाजपा एक उत्तर भारतीय पार्टी है।

सुप्रीम कोर्ट में होगी हाथरस भगदड़ मामले की सुनवाई

सीजेआई ने याचिका सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हाथरस भगदड़ मामले की जांच की मांग करने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई की तारीख दे दी है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने बताया कि उन्होंने सोमवार को याचिका को सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए। बता दें कि उत्तर प्रदेश के हाथरस में दो जुलाई को भोले बाबा के सत्संग में भगड़द मच गई, जिसमें 121 लोगों की मौत हो गई। भगदड़ की जांच के लिए शीर्ष अदालत के सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति की नियुक्ति की मांग की गई है।

याचिका में उत्तर प्रदेश सरकार को दो जुलाई को घटना पर एक रिपोर्ट तैयार करने और अधिकारियों के खिलाफ लापरवाही के लिए कार्रवाई शुरू करने की मांग की गई है। बता दें कि 2.5 लाख से भी अधिक श्रद्धालु दो जुलाई को हाथरस जिले का फुलरई गांव में भोले बाबा के सत्संग में शामिल हुए थे।

वकील विशाल तिवारी ने कहा, हमने हाथरस भगदड़ की घटना पर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश पारित कर दिया। वह इस मामले को सूचीबद्ध करने को तैयार हैं। जल्द ही इसपर सुनवाई होगी। हमने मामले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञों का पैनल गठित करने की मांग की है। सरकार को घटना की स्टेटस रिपोर्ट भी तलब करनी चाहिए।

गौतम गंभीर बने टीम इंडिया के हेड कोच

मुंबई। गौतम गंभीर टीम इंडिया के हेड कोच बन गए हैं। बीसीसीआई सेक्रेटरी जय शाह ने मंगलवार को इसका ऐलान किया। 42 साल के गंभीर ने द वॉल के नाम से मशहूर राहुल द्रविड़ की जगह ली है। द्रविड का कार्यकाल टी-20 वर्ल्ड कप के बाद खत्म हो गया। गंभीर का कार्यकाल जुलाई 2027 तक रहेगा। गंभीर ने डेढ़ महीने पहले कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल 2024 का चैंपियन बनाया था। वे इसी साल कोलकाता की फ्रेंचाइजी के मेंटर बने थे। इतना ही नहीं, गंभीर ने अपनी मेंटरशिप में लखनऊ सुपर जायंट्स को लगातार 2 सीजन के प्लेऑफ में पहुंचाया था।

मुंबई हिट एंड रन केस, मुख्य आरोपी मिहिर शाह गिरफ्तार

घटना के 60 घंटे बाद कार्यवाही, कोर्ट ने 11 जुलाई तक पुलिस कस्टडी में भेजा

मुंबई। मुंबई बीएमडब्ल्यू हिट एंड रन केस के मुख्य आरोपी मिहिर शाह को मंगलवार दोपहर को गिरफ्तार कर लिया। मिहिर की गिरफ्तारी घटना के करीब 60 घंटे बाद हुई। बाद में मिहिर को कोर्ट ने 11 जुलाई तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया। मिहिर, शिवसेना नेता राजेश शाह का बेटा है।

मिहिर को पकड़ने के लिए मुंबई पुलिस ने 11 टीमें बनाई थीं। क्राइम ब्रांच को भी शामिल किया गया था। उसके खिलाफ एक लुक आउट सर्कुलर भी जारी किया गया था। इससे पहले वर्ली पुलिस ने पिता राजेश शाह और ड्राइवर राजऋषि राजेंद्र सिंह बीदावत को गिरफ्तार कर किया था। दोनों को 8 जुलाई को शिवड़ी कोर्ट में पेश किया गया था। राजेश ने कोर्ट में जमानत याचिका लगाई थी, जिस पर कोर्ट ने उसे 15 हजार रुपए के बॉन्ड पर जमानत दे दी थी। वहीं, कोर्ट ने ड्राइवर बीदावत की पुलिस कस्टडी 11 जुलाई तक बढ़ा दी है।

पुलिस के मुताबिक, बीएमडब्ल्यू जहां से निकली, वहां से मिले सीसीटीवी फुटेज में यह दिखा कि मिहिर शाह ने मरने वाली कावेरी नखवा को 1.5 किलोमीटर तक घसीटने के बाद कार रोकी थी। इसके बाद मिहिर ने अपने ड्राइवर राजऋषि राजेंद्र सिंह बीदावत के साथ सीट बदली। स्टेयरिंग संभालने के बाद ड्राइवर ने कार पीछे की तरफ चलाई और सड़क पर गिरी कावेरी को कुचला। इसके बाद दोनों वहां से भाग गए थे। वहीं, मंगलवार 9 जुलाई को आबकारी विभाग ने जुहू में वाइस ग्लोबल तापस बार को सील किया है।

मुख्यमंत्री ने स्वेच्छानुदान मद से छह लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से तीन व्यक्तियों को छह लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुश्री प्रीति परमार एवं श्री चेतन परमार पिता श्री विक्रम परमार निवासी ग्राम मुल्लानी जिला सीहोर को माउंट किलीमंजारो (माउंट एल्बुस) 2024, अभियान में चयन होने पर प्रोत्साहन स्वरूप 2 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है।

अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में मतदान आज

भोपाल। अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजेश कौल ने बताया है कि छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र (अजजा) में उप-चुनाव के लिये 10 जुलाई को मतदान होगा। मतदान सुबह 7 से शाम 6 बजे तक होगा। विधानसभा क्षेत्र में कुल 2 लाख 57 हजार 866 मतदाता हैं। इनमें से एक लाख 29 हजार 372 पुरूष, एक लाख 28 हजार 492 महिला और दो अन्य मतदाता हैं। कुल 332 मतदान केन्द्र बनाये गये हैं। शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए 62 सेक्टर अधिकारी (रिजर्व सहित) केन्द्रीय पुलिस बल की 3 कंपनियां और जिला पुलिस बल की ड्यूटी लगाई गई है। कुल 1485 मतदान कर्मी की ड्यूटी लगाई गई है। कुल 10 मतदान केन्द्र महिला प्रबंधकीय बूथ हैं। कुल 53 मेडिकल ऑफिसर की ड्यूटी लगाई गई है। मतदान कराने के लिये मतदान दल सभी मतदान केन्द्रों में पहुँच गये हैं। मतगणना 13 जुलाई को होगी। शांतिपूर्ण मतदान कराने के लिये सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। मतदाता जब मतदान करने जाएं तो मतदाता सूचना पर्ची के साथ 13 फोटो युक्त दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज जरूर लेकर जायें। क्यूआर कोड युक्त मतदाता सूचना पर्ची से मतदाता अपने मतदान केन्द्र का नाम, पता, क्रमांक, निर्वाचक नामावली में मतदाता क्रमांक राज्य और जिले का हेल्प लाइन नम्बर जैसी अन्य महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कर सकेंगे।

पार्टी छोड़कर गए नेताओं के लिए कांग्रेस ने बंद किए दरवाजे

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस पार्टी जहां विधानसभा और लोकसभा चुनाव में लगातार हार का सामना करना पड़ा है वही पार्टी छोड़ने वाले नेताओं की भी झड़ी लगी हुई कुछ नेता भाजपा में सही जगह नहीं मिलने से कांग्रेस में वापसी करना चाहते हैं लेकिन कांग्रेस एक बार पार्टी छोड़कर गए नेताओं के लिए रास्ते बंद कर दिए। निचले स्तर तक कांग्रेस अब नए नेतृत्व तैयार करेगी। कांग्रेस एक बार फिर संगठन में जान फूंकने की कोशिश कर रही है। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में शनिवार और रविवार को चली मैराथन बैठक के बाद संगठन की मजबूती और जनता के बीच पकड़ बनाने के लिए रणनीति बनी है।

प्रदेश में अलग-अलग विभागों से भ्रष्टाचार की जानकारी सामने आ रही है, इसे लेकर कांग्रेस सरकार पर हमलावर है। अब पार्टी ने तय किया है कि इन मुद्दों को ग्रामीण स्तर तक ले जाकर जनता को बताया जाएगा।पार्टी के सभी नेता अब भ्रष्टाचार पर सबसे अधिक ध्यान देंगे। कांग्रेस विभागवार गड़बड़ी का तथ्यात्मक चिट्ठा तैयार कर रही है । सभी विभाग का प्रजेंटेशन तैयार कर जनता को दिखाया और बताया जाएगा। बैठक में तय किया गया है कि प्रदेश में पार्टी का विस्तार किया जाएगा। इसके लिए ग्रामीण स्तर तक सदस्यता अभियान चलाया जाएगा और युवाओं को पार्टी के साथ जोड़ने का काम किया जाएगा। प्रदेश में लगातार सदस्यता अभियान चलेगा। पार्टी का जोर नया नेतृत्व विकसित करने पर रहेगा। हर अंचल में अलग-अलग वर्ग का नया नेतृत्व तैयार किया जाएगा। इसमें अधिक से अधिक युवाओं को मौका दिया जाएगा।

विधानसभा चुनाव हारे प्रत्याशियों और विधायकों ने कई पार्टी को मजबूत बनने के लिए कई सुझाव दिए हैं। जिसके बाद बैठक में तय किया गया है कि पार्टी पूरे जज्बे और मजबूती के साथ एक बार फिर जनता की आवाज बनेगी। राजनीतिक मामले की समिति में शामिल सदस्यों ने सभी सुझाव दिए हैं।

डोडा में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच एनकाउंटर शुरू

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के डोडा में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच एनकाउंटर शुरू हो गया है। एनकाउंटर में 2-3 आतंकियों के फंसे होने की आशंका है। सेना और आंतकियों की तरफ से लगातार फायरिंग हो रही है। जम्मू डिविजन के डोडा में यह एक महीने में चौथा एनकाउंटर है। यहां 12 जून को दो आतंकी हमले हुए थे। इसके बाद 26 जून को एक हमला हुआ था। सभी हमलों के बाद सेना और आतंकियों के बीच एनकाउंटर हुए थे। वहीं सोमवार (8 जुलाई) को आतंकियों ने कठुआ जिले में सेना के वाहन पर हमला किया था, जिसमें जूनियर कमीशंड ऑफिसर समेत 5 जवान शहीद हुए थे जबकि 5 जवान घायल हुए। आतंकियों की तलाशी के लिए ऑपरेशन जारी है।

पतंजलि ने 14 प्रोडक्ट्स की बिक्री रोकी

नई दिल्ली। पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड ने बाजार में अपने 14 प्रोडक्ट्स की बिक्री रोक दी है। उत्तराखंड ने अप्रैल में इन प्रोडक्ट्स के मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस सस्पेंड किए थे। पतंजलि ने मंगलवार (9 जुलाई) को सुप्रीम कोर्ट में इसकी जानकारी दी। कंपनी ने जस्टिस हिमा कोहली और संदीप मेहता की बेंच को बताया कि लाइसेंस रद्द होने के बाद 5,606 फ्रेंचाइजी स्टोर्स को 14 प्रोडक्ट्स वापस लेने का निर्देश दिया गया है। साथ ही मीडिया प्लेटफार्म्स से भी प्रोडक्ट्स के विज्ञापन वापस लेने का निर्देश दिया गया है। बेंच ने पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड को दो सप्ताह के भीतर एक एफिडेविट दायर करने का निर्देश दिया है। इसमें कपंनी को बताना है कि क्या सोशल मीडिया को-आर्डिनेटर्स ने इन प्रोडक्ट्स के विज्ञापन हटाने के उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया है और क्या उन्होंने विज्ञापन वापस ले लिए हैं।

मप्र में स्ट्रांग सिस्टम से हो रही तेज बारिश, लोगों का आवागमन प्रभावित

भोपाल। भोपाल इंदौर ग्वालियर समेत प्रदेश भर में तेज बारिश का दौर जारी है। सोमवार को कई जिलों में तेज बारिश हुई जिससे लोगों का आवागमन प्रभावित रहा। भिंड जिले में बैसली नदी तीन दिन उफान है। मध्य प्रदेश में आंधी तूफान का स्ट्रांग सिस्टम एक्टिव है। मौसम विभाग ने प्रदेश के 40 से ज्यादा जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। राजधानी भोपाल यह मौसम की बात करें तो यहां सोमवार को रुक-रुककर बारिश हुई।

मौसम विभाग द्वारा जारी आंकड़े के अनुसार सोमवार को मध्य प्रदेश के बैतूल में सबसे ज्यादा 42 मिमी यानी, 1.7 इंच पानी गिर गया। खजुराहो में सवा इंच बारिश हुई। बालाघाट के मलाजखंड, नर्मदापुरम, इंदौर, खंडवा, खरगोन, नर्मदापुरम के पचमढ़ी, विदिशा, सीहोर और उज्जैन में भी बारिश दर्ज की गई।

प्रदेश के साथ राजधानी भोपाल में भी तेज बारिश का दौर जारी है। यहां सामान्य से ज्यादा बारिश हो चुकी है। भोपाल के बड़े तालाब में जलस्तर बढ़कर 1658.80 फीट पर पहुंच गया। सोमवार को कैचमेंट एरिया और सीहोर जिले में अच्छी बारिश हुई। इससे कोलांस नदी में भी पानी आया। जिससे बड़ा तालाब का जलस्तर बढ़ा। बड़ा तालाब का फुल टैंक लेवल 1666.80 फीट है। यानी, यह अभी 8 फीट खाली है।

चीन से जारी सीमा विवाद पर प्रियंका गांधी हुईं हमलावर

केंद्र सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी ने भारत चीन सीमा को लेकर केंद्र सरकार को घेरा है। सोमवार को प्रियंका ने अपने एक ट्वीट में दावा किया कि चीन ने भारतीय क्षेत्र में अपने गांव बसा लिए, बंकर भी बना रहा है। चीन ने भारत की लगभग 4000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा किया है। इतना ही नहीं, अरुणाचल प्रदेश की 30 जगहों के नाम बदलकर सूची जारी कर दी। चीन सीमा पर हमारे 65 पेट्रोलिंग पॉइंट्स में से 26 हम खो चुके हैं। ये सारी बातें मीडिया कह रहा है। ये सूचनाएं सार्वजनिक रूप से मौजूद हैं। प्रियंका ने सवाल करते हुए लिखा, मोदी सरकार किस दबाव में भारत की सीमा सुरक्षा और अखंडता को लेकर इतने समझौते कर रही है। भारत चीन के बीच सीमा विवाद को लेकर कांग्रेस पार्टी, लगातार केंद्र सरकार पर हमलावर रही है। लोकसभा चुनाव से पहले, प्रचार के दौरान और नतीजे आने के बाद भी कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने चीन को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पिछले दिनों, कांग्रेस पार्टी के नेता जयराम रमेश ने भी भारत चीन सीमा विवाद को लेकर केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाया था। जयराम ने एक्स पर लिखा था कि आज ही के दिन %19 जून% चार साल पहले, नॉन बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री ने भारत की भूमि में चीनी घुसपैठ के मुद्दे पर खुलेआम क्लीन चिट देकर देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ बेहद गंभीर समझौता किया था।

कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव से पहले भी चीन के मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरा था। इससे पहले सितंबर 2023 में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा था। सोनिया ने अपने पत्र में जिन नौ मुद्दों का जिक्र किया था, उनमें चीन द्वारा लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में की जा रही घुसपैठ भी शामिल थी। राहुल गांधी भी लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल एलएसी को लेकर कई बार केंद्र सरकार को घेर चुके हैं। केंद्र सरकार ने 18 से 22 सितंबर 2023 तक पांच दिवसीय विशेष संसद सत्र बुलाया था। सोनिया गांधी ने संसद के विशेष सत्र में लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में चीन की घुसपैठ पर चर्चा कराने का आग्रह किया था। सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी सहित कांग्रेस के अनेक नेताओं ने चीन की घुसपैठ का मुद्दा उठाया है। गत वर्ष जब अरुणाचल प्रदेश में चीनी नामों की सूची जारी हुई, तो कांग्रेस नेताओं ने मोदी सरकार को जमकर घेरा था। उस वक्त भी कांग्रेस पार्टी, ड्रैगन को क्लीन चिट पंच लाइन से लोगों के गई थी। कांग्रेस नेता, मनीष तिवारी ने संसद में बताया था, दिसंबर, 2022 में जब डीजीपी और आईजीपी की कॉन्फ्रेंस हुई तो वहां एसएसपी लद्दाख की तरफ से प्रस्तुत किया जाता है। उसमें लिखा था कि भारत ने 65 पेट्रोलिंग प्वाइंट्स में से 26 प्वाइंट पर अपनी पहुंच खो दी है। इस रिपोर्ट के बाद गत वर्ष कांग्रेस एवं दूसरे विपक्षी दलों ने सरकार से मांग की थी कि इस विषय पर ऑल पार्टी मीटिंग बुलाई जाए।

केंद्र सरकार ने उस वक्त कांग्रेस पार्टी के आरोपों को सिरे से नकार दिया था। लद्दाख के उपराज्यपाल बीडी मिश्रा ने कहा था, चीन ने भारत की एक इंच भी जमीन पर कब्जा नहीं किया है। हमारे सशस्त्र बल किसी भी दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार हैं। मिश्रा ने यह बात कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उन आरोपों के जवाब में कही थी, जिनमें लद्दाख की भूमि के एक भूमि के एक बड़े हिस्से पर चीन का कब्जा होने की बात कही गई थी। मिश्रा ने कहा था, मैं किसी के बयान पर टिप्पणी नहीं करूंगा, लेकिन मैं वही कहूंगा जो सही तथ्य हैं।

निर्धारित लक्ष्य के अनुसर राजस्व वसूली किया जाना सुनिश्चित करे : कलेक्टर

लंबित प्रकरणो का निराकरण समय सीमा के अंदर किये जाने का दिया निर्देश

सिंगरौली। सभी राजस्व अधिकारी निर्धारित लंक्ष्य के अनुसार राजस्व वशूली किया जाना सुनिश्चत करे तथा लंबित प्रकरणों का निराकरण समय सीमा के अंदर किया जाये तथा जिन बैंगा परिवारो का पीएम किसान योजना के तहत अभी तक ई केवाईसी पूर्ण नही है उनका तत्काल ई केवाईसी पूर्ण कराया जाये उक्त आशय का निर्देश कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित राजस्व अधिकारियो की बैठक के दौरान कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला के द्वारा दिया गया। बैठक के दौरान कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला द्वारा राजस्व की वशूली के संबंध में तहसील वार समीक्षा उपरान्त निर्देश दिए की सभी राजस्व अधिकारी अपने लंक्षित राजस्व वशूली का कार्य अभियान चलाकर किया जाना सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि राजस्व वशूली एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जिसके आधार पर विकास नीति बनाई जाती है।जहां पर निर्माण कार्य हो रहा हो उसका रहवासी तथा व्यावसायिक के आधार पर वर्गीकरण करले तथा

नियमनुसार शुल्क जमा करवाए।

कलेक्टर ने निर्देश दिये कि बैढ़न, मोरवा, सराई, देवसर, चितरंगी में चल रहे बड़े निर्माण कार्यों की निरीक्षण कर डायवर्सन की वसूली का कार्य सुनिश्चित करे। उन्हांने कहा कि पुरानी बकाया राजस्व वशूली राशि को शत प्रतिशत तहसीलवार जमा कराये। साथ ही किसानो से जो राजस्व वशूली शेष है पटवारियों द्वारा उसे भी जमा कराया जाना सुनिश्चित करे। कलेक्टर ने निर्देश दिये कि अवैध निर्माण कार्यों को रोका जाए तथा बड़े बकायादारों को नोटिस भेजा जाए। लंबित प्रकरणों के निराकरण की जानकारी पश्चात कलेक्टर ने निर्देश दिये कि सभी राजस्व अधिकारी 3 माह से अधिक लंबित प्रकरणों का निराकरण 10 दिवस के अंदर कराया जाना सुनिश्चित करे। साथ ही जिन बैगा जनजाति सदस्यों का अभी तक पीएम किसान योजना के तहत ई केवाईसी रजिस्ट्रेशन पूरा नहीं हुआ है उनका शत प्रतिशत ई केवाईसी तत्काल पूर्ण करवाया जाए। ताकि पात्र बैंगा परिवारो को योजना का लाभ मिल सके।बैठक के दौरान नामातरण, वटनवारा, सीमांकन, फौती नामातरण के प्रकरणो के निराकरण की प्रगति की जानकारी तहसीलवार लेने के पश्चात निर्देश दिये कि लंबित प्रकरणों का निराकरण प्रति दिवस किया जाना सुनिश्चित करे ताकि समय सीमा के अंदर प्रकरणो का निराकरण किया जा सके। कलेक्टर ने कहा कि शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वन होगा तो सीएम हेल्प लाईन के प्रकरण अपने आप घटेगे विभिन्न योजनाओं के लाभ से वंचित होने पर ही सीएम हेल्प लाईन में आम जन शिकायत दर्ज करते है। सीएम हेल्प लाईन प्रकरणों के निराकरण के लिए सभी अधिकारी प्रति दिन प्रयास करे।इसमें यदि कोई प्रकरण बिना किसी कार्यवाही एल 1 के आगे बड़ा तो संबंधित पर कार्रवाही करे सभी राजस्व अधिकारी सीएम हेल्प लाईन के लंबित प्रकरणों मे से 50 प्रतिशत का 30 दिवस में अनिवार्य रूप से निराकरण कराये। तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वन के लिए उपखण्ड अधिकारी हर माह लक्ष्य निर्धारित करे।कलेक्टर ने नयें कानून के संबंध में समीक्षा करते हुये कहा कि तीन नयें कानून एक जुलाई से लागू किये गये है जिसका गहना पूर्वक सभी राजस्व अधिकारी अवलोकन करले साथ ही उपखण्डों में आयोजित महत्वपूर्ण आयोजनो में नयें कानून की जानकारी दे।कलेक्टर ने इस आशय के भी निर्देश दिये कि अपने क्षेत्रों में संचालित उचित मूल्य के दुकानो का भी निरीक्षण करे साथ ही विद्यालयों आगनवाड़ी केन्द्रों का भी समय समय पर निरीक्षण किया जाना सुनिश्चित करे। तथा अति वृष्टि की स्थिति में बाढ़ से राहत और बचाव के लिए समुचित व्यवस्था किया जाना भी सुनिश्चित करे।बैठक के दौरान अपर कलेक्टर अरविंद झा, पी.के सेन गुप्ता, संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेंय, एसडीएम सृजन बर्मा, अखिलेश सिंह, चितरंगी सुरेश जाधव, डिप्टी कलेक्टर माइकेल तिर्की, देवेन्द्र द्विवेदी, तहसीलदार रमेश कोल, चन्द्रशेखर मिश्रा, ऋषि नारायण, प्रीति सिकरवार, अभिषेक यादव, सरिता परस्ते, राजेन्द्र बंसल, बुद्धसेन माझी सहित तहसीलदार एव नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

जल संरक्षण के लिए महाअभियान में अदाणी फाउंडेशन ने कराया नौ तालाबों का जीर्णोद्धार

सिंगरौली। जिले के बंधौरा स्थित महान एनर्जेन लिमिटेड के परियोजना क्षेत्र में जल संरक्षण के लिए स्थानीय लोगों को सक्षम बनाने एवं मध्य प्रदेश सरकार की जल गंगा संवर्धन अभियान को प्रोत्साहन देने हेतु अदाणी फाउंडेशन द्वारा नौ तालाबों के जीर्णोद्धार का कार्य पूरा किया गया अपने निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत, अदाणी फाउंडेशन के द्वारा है। माडा तहसील के अंतर्गत अमिलिया और नगवा गांव में दो-दो तालाबों, करसुआराजा, जमगढ़ी, गजराबहरा, सुहिरा और खनुआ नवा गांवों में सूखने के कगार पर पहुँच चुके एक-एक तालाब का जीर्णोद्धार किया गया है। सूखने के कगार पर स्थित इन तालाबों के जीर्णोद्धार होने से सात गांवों के करीब 3,000 किसानों को कृषि कार्य, सिंचाई आदि की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होगी।अदाणी ग्रुप के सीएसआर प्रमुख मनोज प्रभाकर के नेतृत्व में इस क्षेत्र में जल संरक्षण एवं पर्यावरणीय समस्या को कम करने के लिए सामाजिक स्तर पर उपाय ढूंढने का प्रयास किया जा

रहा है। उन्होंने बताया कि, झीलें और तालाब अक्सर आधुनिक समय की मानवीय लापरवाही का खामियाजा भुगतते हैं। अदाणी फाउंडेशन की तरफ से जल संरक्षण के लिए जल संसाधनों का संवर्धन तथा जनता को सक्षम बनाना भी कार्यक्रम का उद्देश्य है। हमें पानी के महत्व को समझना होगा। इसके साथ ही स्थानीय ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने इन गांवों में तालाबों के जीर्णोद्धार की मांग की थी, जिसे हमने पूरा किया गया है। अमिलिया पंचायत के सरपंच तेजबली साकेत ने कहा कि, पहले तालाब ग्रामीणों के दैनिक जीवन के अभिन्न अंग थे, जो धार्मिक, सिंचाई और पीने के उद्देश्यों के लिए उनका सम्मान करते थे और उनकी रक्षा करते थे। लोक जीवन में तालाब का धार्मिक महत्व रहने के कारण यह संस्कृति में रची बसी हुई है। लेकिन रखरखाव के अभाव और प्रदूषित वातावरण के वजह से आज तालाब का ऐतिहासिक स्वरूप लुप्त होने के कगार पर है। तालाब आज भी क्षेत्र की लोक परंपरा, लोकोत्सव व धार्मिक आयोजन से जुड़ी हुई है। इन दिनों तालाब गडढ़े का रूप लेता जा रहा है और पानी का स्तर नीचे जाने से तालाब का पानी भी बड़ी तेजी से सूखने लगा है। ऐसे में अदाणी फाउंडेशन द्वारा किये जा रहे प्रयासों का स्थानीय ग्रामीण काफी तारीफ कर रहे हैं।

महिला सरपंचों का एक दिवसीय प्रशिक्षण जिला पंचायत सभागार में प्रारंभ

सिंगरौली। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिंगरौली गजेंद्र सिंह के निर्देशन में जिले के जनपद पंचायत देवसर, चितरंगी एवं बैढ़न अंतर्गत ग्राम पंचायतो में नवनिर्वाचित महिला सरपंचों को पंचायती राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम , ग्राम सभा , समितियों के मुख्य कार्य एवं शक्तियां तथा उत्तरदायित्व, महात्मा गांधी नरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, विभागीय पोर्टल, जीपीडीपी आदि के संबंध में जानकारी देने के उद्देश्य से महिला सरपंचों का एक दिवसीय जिला स्तर पर प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है जिसमें आज 9 जुलाई को बैढ़न जनपद की 57 महिला सरपंचों ने भाग लिया तथा 10 जुलाई को देवसर जनपद की 42 तथा 11 जुलाई को चितरंगी जनपद की 66 महिला सरपंच भाग लेंगी। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य महिला सरपंचों का क्षमता वर्धन करना है।

नगर की सड़को में आवारा घूमने वाले पशुओं के गले में बांधी जा रही है रेडियम की पट्टियां

नगर निगम एवं यातायात पुलिस द्वारा की जा रही है संयुक्त कार्यवाही

सिंगरौली। नगरीय क्षेत्र के सड़को में आवारा घूमने वाले पशुओं के गले में नगर निगम एवं यातायात पुलिस द्वारा अभियान चलाकर रेडियम पट्टिया बाधी जा रही है ताकि शहरी क्षेत्र में असमय होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके। प्राय: यह देखने मे आता है कि नगर की सड़को में रात्रि के समय आवारा गौ वंशो की मौजूदगी बनी रहती जिससे दो पहिया एवं चार पहिया वाहनो चालको को अधेरे में पशु नही दिखाई देते जिस कारण सड़क दुर्घटनाओं की संभावन बनी रहती है । नगर नगम आयुक्त डी.के शर्मा के नेतृत्व मे यह अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत निगम की पूरी टीम,

यातायात पुलिस टीम के साथ मंजन मोड़ से मस्जिद चौराह तक पैदल मार्च करते हुए गए। इस अभियान के दौरान मुख्य मार्ग पर बैठे हुए उन सभी जानवरों को हटाया गया स साथ ही रास्ते में जितने भी आवारा जानवर मिले उनके गले में रेडियम बेल्ट बांधे गए और उनके सींगो पर रेडियम रिफ्लेक्टिव टेप लगाए गए। इन रिफ्लेक्टिव बेल्ट की खासियत यह है कि जब भी इन पर लाइट पड़ती है तो यह चमकता है जिससे दूर से ही वाहन चालकों को यह पट्टियां चमकती हुई दिख जाती है। जिससे वाहन चालक सतर्क हो जाते है और अकस्मात घटना होने की संभावना बहुत कम हो जाती है।इस दौरान नगर निगम आयुक्त ने कहा कि निगम के इस 'सकारात्मक प्रयास' का परिणाम यह रहता है कि रात के अंधेरे में सड़क पर घूम रही या बैठी गौ माता भले नजर ना आए लेकिन रिफ्लेक्टर पट्टी लगी होने से दूर से ही लाइट पढ़ने से ये चमकाने लगती है जिससे वाहन चालक सतर्क हो जाते हैं । इसके साथ ही निगम आयुक्त ने पशु मालिको से आग्रह किया कि वे अपने मावेशियो को बाध कर रखे सड़क दुर्घटना के समय मवेशी भी घायल होते है। जब हम जानवरों को पलते हैं तो हमारी नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि हम उनकी देखभाल और उनकी सुरक्षा का भी ध्यान रखें। इसके साथ ही निगम आयुक्त ने निर्देश दिए कि ऐसे पशु मालिकों को चिन्हित कर नोटिस के साथ उन पर दंडात्मक कार्रवाई की जाये।इस दौरान यातायात प्रभारी विद्यावारधि तिवारी, नगर निगम उपायुक्त आरपी बैस, संतोष तिवारी सहित निगम एवं यातायात पुलिस के जावान उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने की 137 आवेदन पत्रो पर जनसुनवाई

सिंगरौली। जिले के विभिन्न अंचलो से आयें 137 आवेदको ने जन सुनवाई में कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला को अपना आवेदन देते हुये अपनी समस्याओं से अवगत कराया।कलेक्टर द्वारा सभी आवेदन पत्रो पर गंभीरता पूर्वक जन सुनवाई करते हुये कई आवेदको के समस्याओं का जन सुनवाई में उपस्थित अधिकारियो से निराकरण कराया गया। साथ ऐसे आवेदक जिनके आवेदनों का निराकरण जन सुनवाई के दौरान नही किया जा सका संबंधित विभागीय अधिकारी को ओर भेजते हुये आवेदन पत्रो का तत्परता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिये गये। जन सुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर अरविंद झा, अपर कलेक्टर पीके सेनगुप्ता , संयुक्त कलेक्टर संजीव पांडे, एसडीएम सृजन बर्मा डिप्टी कलेक्टर माइकल तिर्की , देवेन्द्र द्विवेदी, तहसीलदार रमेश कोल, जिला शिक्षा अधिकारी एस.बी सिंह, डीपीसी आर.एल शुक्ला सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एसपी ने दुधमुंहे बच्चे को उसकी मां के संरक्षण में दिलवाया

जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक की त्वरित कार्यवाही

सिंगरौली

जनसुनवाई के दौरान शिकायत लेकर उपस्थित हुई महिला (काल्पनिक नाम) मुन्नी ने बताया कि उसका पति उसके साथ मारपीट करके घर से निकाल दिया है और उसके 17 माह के बच्चे को उससे छीन लिया है। महिला का करुण विलाप सुनते ही पुलिस अधीक्षक द्वारा तुरंत ही कार्यवाही करते हुए महिला थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया कि तत्काल आवेदिका (काल्पनिक नाम) मुन्नी के पति को बच्चे सहित महिला थाना में बुलवाएं और बच्चे को उसकी मां के संरक्षण में दिलवाया जाना सुनिश्चित करें। पुलिस अधीक्षक का निर्देश मिलते ही महिला थाना प्रभारी श्रीमती प्रियंका शर्मा द्वारा तुरंत ही एक्शन लिया गया और आवेदिका (काल्पनिक नाम) मुन्नी के पति को बच्चे सहित महिला थाना बुलाया गया, जहां पर दुधमुंहे बच्चे को उसकी मां के संरक्षण में दिलवाया गया। साथ ही उसके पति एवं ससुराल पक्ष की काउंसलिंग की जा रही है। आगामी शनिवार को महिला थाना में आयोजित जन चेतना परामर्श शिविर में आवेदिका (काल्पनिक नाम) मुन्नी और उसके ससुराल पक्ष के लोगों को उपस्थित होने हेतु पाबंद किया गया है।इस प्रकार महज तीन से चार घंटे के अंदर आवेदिका के 17 माह के दुधमुंहे बच्चे को उसकी मां के संरक्षण में दिलवाया गया।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित की गई जनसुनवाई

सिंगरौली। श्रीमती निवेदिता गुप्ता पुलिस अधीक्षक सिंगरौली के द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जन सुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई श्रीमती निवेदिता गुप्ता पुलिस अधीक्षक सिंगरौली के द्वारा आयोजित की गई। जनसुनवाई में विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए आवेदको के द्वारा आवेदन पत्र समक्ष में प्रस्तुत किये गये,

जिसे प्रत्येक आवेदकों से रू-ब-रू होकर उनकी शिकायतो को जनसुनवाई के माध्यम से गंभीरतापूर्वक सुना जाकर कई शिकायतो का मौके में निराकरण कराया गया तथा शेष आवेदन पत्र में वैधानिक कार्यवाही हेतु राजपत्रित अधिकारी (पुलिस), थाना प्रभारियों व चौकी प्रभारियो को निर्देशित किया गया।जनसुनवाई में महिला फरियादियों की शिकायतो को तत्परता से कार्यवाही किये जाने महिला पुलिस अधिकारी-कर्मचारीयों से शिकायतो की कॉउंसलिंग कराई जाकर उनकी शिकायतो के निराकरण एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु संबंधित थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया।

परसौना में सड़क दुर्घटना रोक थाम के लिए पुलिस सहायता केन्द्र के भवन को हटाना बहुत जरूरी: कमलेश

सिंगरौली। जिला मुख्यालय से 8 किलोमीटर की दूरी पर परसौना बाजार में यातायात का अत्यधिक दबाव होने के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। जिसमें कई माताओं बहनों की गोद सूनी हुई तो कई के सिंदूर धूले तथा कई बच्चे अनाथ हुए। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष कमलेश बैस ने कहा कि इन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जिला प्रशासन को गंभीरता से विचार करनी चाहिए। जिसमें दुर्घटनाओं के पीछे का एक मुख्य कारण है पुलिस सहायता केंद्र परसौना जो कि माड़ा रोड से एवं वैढ़न तरफ से आने वाली गाड़ियों के लिए एक दीवार की तरह काम करता है। जिससे आने जाने वाले वाहन दिखाई नहीं देने के कारण दुर्घटनाओं के शिकार हो जाते हैं। पुलिस सहायता केंद्र की आवश्यकता परसौना में ना के बराबर है उसका सारा काम पुलिस चौकी खुटार से संचालित होता है। अगर पुलिस सहायता केंद्र बनानी ही है तो रोड से हटाकर अन्य जगह शिफ्ट किया जाना चाहिए। कई बार जिला प्रशासन से बात करने के बावजूद भी पुलिस सहायता केंद्र रोड से नहीं हटा। जिसका परिणाम परसौना के आसपास के कई गांव के ग्रामीण जन भुगत रहे हैं। दूसरा कारण परसौना बाजार भी रोड पर ही लगता है। इसे सुरक्षित जगह शिफ्ट करने की आवश्यकता है। पुलिस सहायता केंद्र के आसपास शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है पुलिस सहायता केंद्र में स्टाफ नहीं होने के कारण शराबियों का बोलबाला भी रहता है। परसौना में कम उम्र के बच्चे एवं युवा पुलिस सहायता केंद्र के आसपास नशे की लत में पड़े हुए आसानी से मिल जाते हैं। इन सब चीजों से छुटकारा पाने के लिए रोड से पुलिस सहायता केंद्र का भवन हटाना बहुत ही जरूरी है। जिससे यातायात सुगम और सरल हो सके।

नेहरू चिकित्सालय जयंत में मरीजों के भोजन में कीड़ा मिलने से हड़कंप, परिजनों में नाराजगी

सिंगरौली। मंगलवार को दोपहर आम दिनों की तरह रोगियों को परोसे जा रहे भोजन में कीड़ा मिलने से नेहरू में भर्ती रोगियों और अस्पताल प्रबंधन में हड़कंप मच गया द्य जिम्मेदारो नें भोजन बनाने व परोसने वालों तक को फटकार लगानी शुरू कर दी है द्य बताया जाता है कि एनसीएल जयंत परियोजना स्थित नेहरू शताब्दी चिकित्सालय जयंत प्रबंधन द्वारा उपचार हेतु भर्ती रोगियों को दोपहर का भोजन उपलब्ध कराया जाता है द्य जो मंगलवार को दोपहर महिला वार्ड में भर्ती एक मरीज को खाना खाने के दौरान शब्जी में कीड़ा मिल गया द्य जिससे वह हंगामा करना शुरू कर दिया द्य खाने में कीड़ा मिलने से लोगो की नाराजगी देखी गयी द्य मौके पर मौजूद जिम्मेदारो नें खाना बनाने वालों से लेकर परोसने वालों तक की फटकार लगानी शुरू कर दी।

हिंडालको महान एल्युमिनियम के 15वें स्थापना दिवस पर संस्थान में हुआ भव्य आयोजन

सिंगरौली। हिंडालको महान औद्योगिक संस्थान ने अपने सफल संचालन के 15 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस विशेष अवसर पर संस्थान में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। स्थापना दिवस के मौके पर कंपनी के इकाई प्रमुख सेन्थिलनाथ, पावर प्लांट हेड चंद्र शेखर सिंह, और मानव संसाधन प्रमुख ने शुभकामना संदेश प्रेषित किए। इसके अलावा, वरिष्ठ अधिकारियों ने भी अपनी शुभकामनाएं दीं। इस दौरान हिंडालको महान के 15वे स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में इनहाउस हिंदी ई-पत्रिका महान दर्पण का शुभारंभ इकाई प्रमुख एस. सेन्थिलनाथ द्वारा किया गया। साथ ही हिंडालको महान के 15 साल पूर्ण होने पर संस्थान के 10 से अधिक विभागों ने केक काटकर स्थापना दिवस का उत्सव मनाया। स्थापना दिवस के अवसर पर शीर्ष प्रबंधकों ने पौधा रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर समस्त कार्यरत कर्मचारियों

को मिठाई प्रदान की गई। साथ ही स्थापना दिवस के कार्यक्रम का समापन सामूहिक लजीज भोज के साथ हुआ, जिसमें प्लांट में कार्यरत समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों ने एक साथ बैठकर स्वादिष्ट पकवानों का आनंद लिया। हिंडालको महान औद्योगिक संस्थान के 15 वर्षों की सफलता को अपने संदेश में हिंडालको महान के इकाई प्रमुख एस.सेन्थिलनाथ ने कहा कि इस यात्रा में कंपनी ने अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। पावर प्लांट एवं अलुमिनियम प्लांट के सफल संचालन के 15 वर्ष पूरे होने पर, हम सब को गर्व महसूस हो रहा है। यह एक महान उपलब्धि है,जिसे हम सब मिलकर हासिल किया है। इस अवसर पर, हम आप सभी का आभार व्यक्त करते हैं। आपके कड़ी मेहनत,समर्पण और दृढ़ संकल्प के बिना यह संभव नहीं हो पाता। आप सभी ने अपनी कुशलता, क्षमता और नवीन विचारों के साथ इन संयंत्रों को दशकों में सबसे प्रतिष्ठित और कुशल बनाया है।कार्यक्रम में अपने प्रेषित संदेश में पावर प्लांट हेड चन्द्र शेखर सिंह ने कहा कि इस महत्वपूर्ण मील के पत्थर को पार करने में आपका अहम योगदान रहा है। आपकी कड़ी मेहनत, समर्पण और दृढ़ संकल्प ने इन संयंत्रों को देश के सबसे प्रतिष्ठित और कुशल संयंत्रों में से एक बना दिया है। कार्यक्रम में मानव संसाधन प्रमुख डॉक्टर विवेकानंद मिश्रा ने कहा कि हमारे संयंत्रों में पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकियों को अपनाकर, ऊर्जा कुशल प्रक्रियाओं को लागू कर और सुरक्षा मानकों को अत्यधिक कड़ा करके, हमने न केवल उत्पादन में वृद्धि की है बल्कि ग्रीन एनर्जी और पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दिया है।हमने अकुशल लोगो को कुशल बनाकर उन्हें सतत रोजगार से जोड़ा है,प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से हज़ारों लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने में सफल हुये हैं,हमारे ग्राहकों और हितधारकों का विश्वास और समर्थन भी इस सफलता का एक महत्वपूर्ण पहलू है। हम उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने और उनके साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखने में सक्षम रहे हैं।निगमित सामाजिक दायित्व के माध्यम से लोगो के जीवन स्तर को बेहतर भी बना रहे हैं। इस खास अवसर पर, हम आपके प्रयासों और समर्पण की सराहना करते हैं। भविष्य में भी इसी प्रकार के सहयोग और समर्पण से संस्थान और भी ऊँचाइयों को छूने की आशा करता है।

कार्यालयों का निरीक्षण कर सुबह 10 बजे से खुलना सुनिश्चित करें : कमिश्नर

शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें, शिक्षा विकास की धुरी है : कमिश्नर

कलेक्टर हर शुक्रवार फोन पर जन समस्याओं की करेंगे सुनवाई

सीधी। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशासनिक व्यवस्थाओं तथा विकास कार्यों के क्रियान्वयन की समीक्षा की। कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शासन द्वारा कार्यालयीन समय सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक निर्धारित किया गया है। सभी कार्यालयों का सुबह 10 बजे खुलना सुनिश्चित करें। कलेक्टर तथा अन्य अधिकारी कार्यालयों का नियमित रूप से निरीक्षण कर इसे कारगर बनाएं। अस्पतालों में बायोमेट्रिक उपस्थिति तथा कार्यालयों में व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से भी इसकी मॉनीटरिंग करें। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य विकास योजनाओं का क्रियान्वयन और जनकल्याण है। आमजनता की कठिनाईयों को दूर करने के लिए प्रभावी व्यवस्था करें। जन सुनवाई के साथ-साथ कलेक्टर प्रत्येक शुक्रवार को सुबह 11 बजे से 12 बजे तक मोबाइल फोन पर भी आमजनता की समस्याएं सुनकर उनका निराकरण कराएं।

कमिश्नर ने कहा कि सुशासन को ग्राम पंचायत तक सुदृढ़ करें। शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होगा तो सीएम हेल्पलाइन के प्रकरण अपने आप घटेंगे। विभिन्न योजनाओं के लाभ से वंचित होने पर ही सीएम हेल्पलाइन में आमजन शिकायत दर्ज करते हैं। सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण के लिए सभी अधिकारी प्रतिदिन प्रयास करें। इसमें यदि कोई प्रकरण बिना किसी कार्यवाही के एल-1 से आगे बढ़ा तो संबंधित पर कार्यवाही करें। सभी कलेक्टर सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों में से 50 प्रतिशत का 30 दिवस में अनिवार्य रूप से निराकरण कराएं। योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को हर माह लक्ष्य निर्धारित करें। इसकी पूर्ति के अनुसार अधिकारियों का मूल्यांकन करें। हाल ही में तीन नए कानून एक जुलाई से लागू किए गए हैं। जिले में आयोजित प्रत्येक महत्वपूर्ण आयोजन में नए कानूनों की जानकारी दें। पुलिस, राजस्व तथा अन्य विभाग के अधिकारियों को प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित कर इन कानूनों की जानकारी दें।

बैठक में कमिश्नर ने स्कूल चलें हम अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि शाला जाने योग्य प्रत्येक बच्चे का शाला में प्रवेश सुनिश्चित करें। अभी बच्चों के प्रवेश की स्थिति संतोषजनक नहीं है। कलेक्टर इसकी नियमित समीक्षा करें। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए निरंतर प्रयास करें। शिक्षा ही विकास की धुरी है। स्कूलों का नियमित संचालन सुनिश्चित करें। सभी जिलों में 14 जुलाई से उत्कृष्ट कालेज भी शुरू हो रहे हैं। इसके लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लें। कमिश्नर ने अधिकारियों को अतिवृष्टि की स्थिति में बाढ़ से राहत और बचाव के लिए समुचित उपाय के निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि जिन क्षेत्रों में बाढ़ की आशंका हो वहाँ आवश्यक उपकरणों, नाव तथा बचाव दल की व्यवस्था कर लें। शासन द्वारा हाल ही में एयर एंबुलेंस की सुविधा शुरू की गई है। कलेक्टर और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मिलकर आवश्यक होने पर रोगी को तत्काल एयर एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी वर्षा जनित रोगों से बचाव के लिए प्रत्येक गांव में आवश्यक दवाओं का भण्डारण कराएं। किसी भी क्षेत्र में उल्टी दस्त या अन्य महामारी का प्रकोप होने पर रैपिड दल से तत्काल उपचार की व्यवस्था कराएं। संयुक्त संचालक पशुपालन 30 जुलाई तक पशुओं का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करें।

कमिश्नर ने कहा कि पूरे संभाग में पशुओं के सड़कों पर विचरण की बड़ी समस्या है। निराश्रित पशुओं को गौशालाओं में भेजने के लिए उचित प्रबंध करें। अधूरी गौशालाओं का निर्माण पूरा कराकर उनका भी संचालन सुनिश्चित करें। निराश्रित गौवंश के लिए आमजनों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से ही उचित व्यवस्था की जा सकती है। कमिश्नर ने कहा कि सभी कलेक्टर कृषि आदान की नियमित समीक्षा करें। सभी जिलों में पर्याप्त मात्रा में बीज और यूरिया खाद उपलब्ध है। किसानों को डीएपी खाद के स्थान पर एसएसपी और एनपीके के उपयोग के लिए प्रेरित करें। अधीक्षण यंत्री पीएचई सभी हैण्डपंपों और अन्य पेयजल स्त्रोतों का स्थानीय निकायों के सहयोग से शुद्धिकरण कराएं। कमिश्नर ने कहा कि पूरे संभाग में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया जा रहा है। निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार वृक्षारोपण कराना सुनिश्चित करें। सभी शिक्षण संस्थाओं तथा कार्यालयों के परिसर में अनिवार्य रूप से वृक्षारोपण कराएं।

बैठक में कमिश्नर ने शिशुओं तथा गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण, पोषण आहार के वितरण, किसानों की आमदनी बढ़ाने के उपायों तथा कार्यालयों के निरीक्षण के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए।

वीडियो कांफ्रेंसिंग में सम्मिलित होते हुए कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने बताया कि नागरिक सुविधाओं को बढ़ाने तथा उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए तत्परता से कार्यवाही की जा रही है। लंबित सीमांकन के निराकरण के लिए जिले में प्रत्येक शनिवार को सीमांकन का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना से प्रत्येक पात्र हितग्राही को लाभान्वित करने के लिए जिले में शून्य शक्ति अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत गत एक माह में 2 हजार से अधिक पेंशन स्वीकृत किए गए हैं। सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण के लिए जिलास्तर पर कंट्रोल रूम संचालित है जो लगातार हितग्राहियों से संपर्क कर उनकी समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित कर रहा है। जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए क्विक रिस्पांस टीम गठित की गई है।

वीसी में एनआईसी केंद्र सीधी से अपर कलेक्टर राजेश शाही, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले में औसत वर्षा 142.8 मि.मी. दर्ज, सर्वाधिक वर्षा रामपुर नैकिन में

सीधी। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 09 जुलाई को सीधी जिले में 0.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 0.0 मि.मी., चुरहट में 0.0 मि.मी., गोपद बनास में 0.0 मि.मी., सिहावल में 0.0 मि.मी., बहरी में 0.0 मि.मी., मझौली में 0.0 मि.मी. और कुसमी में 0.0 मि.मी. वर्षा हुई है।

उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 142.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 01 जून से 09 जुलाई तक तहसील रामपुर नैकिन में सर्वाधिक वर्षा 208.6 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील चुरहट में 74.8, गोपद बनास में 123.8, सिहावल में 133.4, बहरी में 121.2 मझौली में 172.0 मि.मी. और कुसमी में 166.0 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 152.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी। गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष 23.5 मि.मी. औसत वर्षा कम हुई है।

सूरत दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को अंत्येष्टि सहायता उपलब्ध कराई गई

सीधी

गत दिवस सचिन जीआईडीसी सिद्धि गणेश पाली गांव जिला सूरत गुजरात में ईमारत ढहने के हुए हादसे में सीधी जिले के पांच श्रमिकों की मृत्यु होने पर जिला प्रशासन द्वारा शोक संवेदना व्यक्त की गई है। अपर कलेक्टर राजेश शाही ने बताया कि पीड़ित परिवारों को शासन के निर्देशानुसार हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि सभी मृतकों के परिजनों को अंत्येष्टि सहायता 5 हजार रुपये उपलब्ध करा दी गई। साथ ही जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के माध्यम से 25 हजार -25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि ग्राम परासी के मृतक हीरामणि केवट पिता बंभोली केवट एवं लालजी केवट पिता बंभोली केवट संबल योजना के अंतर्गत पंजीकृत श्रमिक हैं, उनके निकटतम परिजन को 4 लाख -4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। ग्राम दियाडोल के मृतक शिवपूजन केवट पिता शौखीलाल केवट एवं प्रवेश केवट पिता शौखीलाल केवट तथा कोटमा टोला मझौली के मृतक अभिलाष केवट पिता छोटेलाल केवट के संबंध में मुख्यमंत्री महोदय के कार्यालय से जानकारी चाही गई थी जिसे उपलब्ध करा दिया गया है। उनके निकटतम परिजन को निर्देशानुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

शहडोल संभाग में चलेगा 10 से 25 जुलाई तक राजस्व सेवा अभियान

शहडोल। कमिश्नर शहडोल संभाग श्री बीएस जामोद की पहल पर शहडोल संभाग में 10 जुलाई से 25 जुलाई 2024 तक राजस्व सेवा अभियान चलाया जाएगा। राजस्व सेवा अभियान में नक्शा तरमीम तथा 2 से 5 वर्षों से लंबित राजस्व प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण किया जाएगा। साथ ही राजस्व अभियान समाप्ति के पश्चात संबंधित राजस्व न्यायालयों के पीठासीन अधिकारी तहसीलदार, नायब तहसीलदार शत-प्रतिशत निराकरण का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना भी सुनिश्चित करेंगे।

जनसुनवाई में 256 आवेदन प्राप्त

समस्याओं का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें : कलेक्टर

सीधी। जनसुनवाई में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आए 256 आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा उसके निराकरण के लिए निर्देश दिए गए। अनिराकृत आवेदनों के लिये समय-सीमा निर्धारित कर अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने समस्त एसडीएम एवं सीईओ जनपद पंचायत को निर्देशित किया है कि शून्य शक्ति अभियान के तहत प्रत्येक पात्र हितग्राही के सामाजिक सुरक्षा पेंशन स्वीकृत करें। जिन हितग्राहियों के बीपीएल के अभाव के कारण पेंशन प्रकरण निरस्त किए गए थे, उनका पुनरावलोकन कर उसको तत्काल निराकरण करते हुए निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति करें। एसडीएम तथा तहसीलदार सीमांकन के आवेदनों का तत्परता से निराकरण सुनिश्चित करायें। कलेक्टर ने कहा कि जनसुनवाई में प्रत्येक समस्या की गम्भीरता को देखते हुये उसके निराकरण के लिये समय सीमा निर्धारित की जाती है। जिला अधिकारी प्रतिदिन आवेदनों के निराकरण की स्थिति से अवगत कराना सुनिश्चित करें।

जनसुनवाई में अपर कलेक्टर राजेश शाही, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। आज आयोजित जनसुनवाई में समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई से जुड़े रहे।

इंस्पायर अवार्ड मानक योजना 2024-25 के लिये ऑन-लाइन आईडिया अपलोड का पोर्टल प्रारम्भ

सीधी

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार की इंस्पायर अवार्ड मानक योजनान्तर्गत विद्यार्थियों के ऐसे मौलिक विचार जो समाज की समस्याओं का समाधान कर सकें और इसके अलावा घरेलू और मजदूरों के श्रम को कम करने के उपाय तथा उनकी कार्य क्षमता को बढ़ाने के साथ-साथ सेवाओं को भी आसान करने की अभिनव राह तैयार कर सकें। विद्यार्थियों के मौलिक विचारों को भारत सरकार विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है। भारत सरकार द्वारा विद्यालयों के कक्षा 6 वीं से 10 वीं तक के स्कूली बच्चों के नवाचारी मौलिक विचार को ऑनलाइन प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है।

एपीसी रमसा डॉ. सुजीत कुमार मिश्र ने जानकारी देकर बताया कि इस योजना में शासकीय, अनुदान प्राप्त, अशासकीय विद्यालय, केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय एवं सीबीएसई, आईसीएसई से मान्यता प्राप्त जिले में संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत 10 से 15 वर्ष की आयु वर्ग और कक्षा 6वीं से 10वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थियों के आइडिया को शामिल किया जाना है। वर्ष 2024-25 के लिए समस्त विद्यालयों के नामांकन एवं प्रति विद्यालय पांच विद्यार्थियों अर्थात कक्षा 6, 7, 8, 9 और 10वीं के एक-एक विद्यार्थी कुल एक स्कूल से 05 विद्यार्थी के आइडिया ऑनलाइन अपलोड किए जाएंगे।

चयनित आईडिया को मिलेंगे दस हजार रूपये अवार्ड राशि

आइडिया की नवीनता, वर्तमान परिस्थितियों के समाधान में उपयोगिता, सामजिक व्यवहारिकता में उपयोगिता, वर्तमान सरकार की योजनाओं में प्रासंगिकता, प्रसार का दायरा एवं लागत की प्रभावशीलता को ध्यान में रखतें हुए विद्यार्थियो के मौलिक विचार अपलोड किये जायेंगे। चयनित सभी विद्यार्थियों को अवार्ड की राशि रूपये 10 हजार सीधे उनके खातों में भेजी जायेगी।

जिला शिक्षा अधिकारी सीधी डॉ. प्रेमलाल मिश्रा ने जिले के समस्त प्राचार्य एवं प्रधानाध्यापक को अपने विद्यालय से अच्छे आईडिया अपलोड करने हेतु पत्र जारी किया है।

सीईओ जिला पंचायत ने उपस्थित पंजी का किया अवलोकन

अनुपस्थित कर्मचारियों को एक दिवस का किया अवैतनिक

शहडोल। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री राजेश जैन ने विभिन्न कार्यालयों के उपस्थिति पंजी का अवलोकन किया। अवलोकन के दौरान उप यंत्री जिला शिक्षा केंद्र शहडोल श्री राजेंद्र कुमार पांडे, सहायक ग्रेड 3 जल संसाधन विभाग श्री हीरालाल कोरी एवं सहायक ग्रेड 3 जल संसाधन विभाग श्री नरेंद्र प्रजापति समय पर उपस्थित नही पाए जाने एवं शासन के आदेशों तथा वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना किए जाने हेतु दोषी पाया गया है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री राजेश जैन ने समय पर उपस्थित न पाए जाने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुए उप यंत्री जिला शिक्षा केंद्र शहडोल श्री राजेंद्र कुमार पांडे, सहायक ग्रेड 3 जल संसाधन विभाग श्री हीरालाल कोरी एवं सहायक ग्रेड 3 जल संसाधन विभाग श्री नरेंद्र प्रजापति का एक दिवस का वेतन रोकने हेतु कार्यवाही की है।

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश शासन द्वारा शासकीय कार्यालय का कार्यालय समय प्रातः 10:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक नियत किया गया है एवं समस्त शासकीय कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्धारित समय प्रातः 10:00 बजे से उपस्थित रहने हेतु निर्देशित किया गया है।

घर के सामने खेत में लगाया था गाजा, पौधों की कीमत 2.5 लाख से ज्यादा

सीधी। नशा विरोधी अभियान के तहत लगभग 2 लाख 50 हजार रुपये कीमती 24.300 किग्रा अवैध मादक पदार्थ गांजे के हरे पौधों को जब्त करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर कोतवाली पुलिस ने प्रकरण पंजीबद्ध किया है।

यह कार्रवाई डॉ रवींद्र वर्मा पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में अभिषेक उपाध्याय थाना प्रभारी सिटी कोतवाली ने टीम के साथ किया है। बता दें कि थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक अभिषेक उपाध्याय को रविवार भ्रमण के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि जमुनिहा गांव में आनंद बहादुर सिंह परिहार पुत्र धनी सिंह परिहार अपने घर के सामने वाले खेत में बाड़ा बनाकर गांजा के पेड़ लगा रखा है।

उनि तरूण बेड़िया के नेतृत्व में टीम गठित कर मौके पर कार्रवाई के लिए भेजा गया। टीम मौके पर पहुंच कर संदेही से नाम पता पूछ गया। जिसने अपना नाम आनंद बहादुर सिंह 54 वर्ष बताया। आरोपित के घर के सामने खेत की वीडियोग्राफी कराई जाकर तलाशी ली गई।

जहां खेत में 73 नग गांजे के जैसा हरे पेड़ मिला। जिसका कुल वजन 24 किलो 300 ग्राम कीमती 2.5 लाख रूपये रहा। एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत दंडनीय पाए जाने से अपराध कायम कर आरोपित को गिरफ्तार किया जाकर वैधानिक कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया गया इस कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरी. अभिषेक उपाध्याय, उनि तरूण बेड़िया, आरक्षक आजाद खान, अक्षय तिवारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संपूर्णता अभियान अंतर्गत जिले में 10 जुलाई तक चलाया जा रहा है विशेष स्वास्थ्य शिविर

सिंगरौली। नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा सिंगरौली जिले में आकांक्षी जिला एवं जिले के देवसर विकासखंड में आकांक्षी ब्लाक कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसके तहत लक्षित संकेतकों जैसे गर्भवती महिलाओं का समय पर प्रसव पूर्व देखभाल, गर्भवती महिलाओं को पूरक पोषण आहार मिलना, सभी बच्चों का पूर्ण टीकाकरण, हर व्यक्ति की मधुमेह और उच्च रक्तचाप की नियमित जांच, सॉइल हेल्थ कार्ड का वितरण, स्वस्थ्य सहायता समूह को रिवाल्विंग फंड प्रदाय होना, स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं आदि को आगामी तीन माह में संतृप्त करने हेतु 1 जुलाई 2024 से 30 सितंबर 2024 तक संपूर्णता अभियान चलाया जा रहा है जिसका शुभारंभ दिनांक 4 जुलाई 2024 को अटल सामुदायिक भवन बैढ़न में किया गया है।

डाक्टरों की कमी से सीधी जिला चिकित्सालय सुविधा से वंचित

खाली पदों को तत्काल भरे सरकारः अजय सिंह

सीधी

पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं विधायक अजयसिंह ने सीधी जिले और उनके विधानसभा क्षेत्र चुरहट में डाक्टरों की कमी को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने यहाँ तत्काल डाक्टरों को पदस्थ करने की मांग की है।

अजयसिंह ने कहा कि रामपुर नैकिन एवं चुरहट तहसील क्षेत्र में संचालित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में डाक्टरों के सत्तर फीसदी पद लंबे समय से रिक्त हैं। इस कारण यहां की जनता चिकित्सा सुविधा से वंचित हो रही है।

अजय सिंह ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रामपुर नैकिन में डाक्टरों के स्वीकृत 9 पदों के विरुद्ध 3 डाक्टर ही पदस्थ हैं। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चुरहट में डाक्टरों के स्वीकृत सात पदों के विरुद्ध केवल तीन डाक्टर पदस्थ हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हनुमानगढ़ और धनहा में डाक्टरों के स्वीकृत दो- दो पदों के विरुद्ध एक-एक ही डाक्टर पदस्थ हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बघवार में एक ही डाक्टर पदस्थ है। रामपुर नैकिन एवं चुरहट तहसील में डाक्टरों के कुल 21 पद स्वीकृत है जिसमें महज 9 डाक्टर ही पदस्थ हैं। डाक्टरों के न होने से मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रामपुर नैकिन एवं चुरहट के अलावा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में नियमित रूप से चिकित्सक नहीं मिलते हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो में पदस्थ डाक्टर अपने स्वास्थ्य केन्द्रों से काफी दूर अपना आवास बनाये हुए हैं। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का हाल और भी ज्यादा बेहाल है। यहां के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में केवल एक चिकित्सक की पदस्थापना की गई है। अधिकांश प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में संविदा डाक्टरों को जिम्मेदारी दी गई है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में पदस्थ डॉक्टर नियमित तौर पर अस्पताल में उपस्थित नहीं रहते हैं।

सिंह ने कहा कि बदलते मौसम और बारिश के कारण बहुत बड़ी संख्या में ग्रामीणजन बीमार हो रहे है लेकिन उन्हें चिकित्सा नहीं मिल पा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री से सीधी जिले में डाक्टरों के रिक्त पदों तत्काल भरे जाने की मांग की है।

संपादकीय

ब्रिटेन पीएम स्टार्मर के लिए आसान नहीं होगा चुनौतियों से निपटना

ब्रिटेन में चौदह वर्षों बाद कंजर्वेटिव पार्टी को पराजित कर लेबर पार्टी सत्ता की कमान संभालने जा रही है। लेबर पार्टी को ऐतिहासिक जीत मिली है। उसने चार सौ से ऊपर सीटें जीती हैं। किएर स्टार्मर ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री बने हैं। हालांकि इस सत्ता परिवर्तन के कयास बहुत पहले से लगाए जा रहे थे। चुनाव पश्चात सर्वेक्षणों में भी लेबर पार्टी को चार सौ से ऊपर सीटें मिलने के कयास लगाए गए थे। दरअसल, कंजर्वेटिव पार्टी से लोगों का मोहभंग हो चुका था। खासकर प्रधानमंत्री ऋषि सुनक खासे अलोकप्रिय हो चुके थे। इस तरह वहां सत्ता-विरोधी लहर थी, जिसमें कंजर्वेटिव पार्टी ध्वस्त गई। ब्रिटेन में काफी समय से महंगाई उच्च स्तर पर है, लोगों पर करों का बोझ काफी बढ़ गया है, सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाएं चरमरा गई हैं और देश की अर्थव्यवस्था एक तरह से ठप पड़ गई है। ऋषि सुनक ने अर्थव्यवस्था संभालने का आश्वासन दिया था, इसके लिए उन्होंने परिश्रम भी खूब किया, मगर कामयाब नहीं हो सके। नतीजतन, लोगों का रहन-सहन पर खर्च बढ़ता गया है।दरअसल, कंजर्वेटिव पार्टी के प्रति वहां के लोगों में रोष इस बात को लेकर भी था कि 'ब्रेक्जिट' करके ब्रिटेन यूरोपीय संघ से अलग हो गया, जिससे वहां की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ा। इसके अलावा गैरकानूनी तरीके से हो रहे प्रवासन पर सुनक सरकार काबू नहीं पा सकी। इसके चलते वहां की सार्वजनिक सुविधाओं पर बोझ बढ़ा है। लेबर पार्टी ने आवास नीति बनाने, आव्रजन नीति को कड़ा करने और यूरोपीय संघ से रिश्ते मजबूत बनाने का वादा किया था। इससे वहां के लोगों में भरोसा पैदा हुआ। हालांकि चुनावी वादों को जमीन पर उतारना आसान नहीं होता। ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को संभालना स्टार्मर के लिए भी बड़ी चुनौती होगी। खाली हो चुके खजाने के साथ करों का बोझ कम करना और सार्वजनिक सुविधाओं को बेहतर बनाना भी आसान नहीं होगा।

किरोडी लाल मीणा प्रकरण कहीं वरिष्ठ और युवा नेताओं के बीच चल रही खींचतान का परिणाम तो नहीं?

(नीरज कुमार दुबे)

किरोडी लाल मीणा इस्तीफा वापस लेंगे या नहीं, इन अटकलों के बीच उनकी पत्नी तथा पूर्व मंत्री गोलमा देवी का भी बयान सामने आ गया है। उन्होंने कहा है कि लोग अफवाहें फैला रहे हैं कि बड़े पद की लालसा में डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने मंत्री पद से इस्तीफा दिया है। गोलमा देवी ने कहा कि इन अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि किरोडी लाल मीणा पूर्व में वसुंधरा सरकार से भी इस्तीफा दे चुके हैं, तब भी उन्होंने मनाये जाने के बावजूद इस्तीफा वापस नहीं लिया था। गोलमा देवी ने कहा कि उनके पति के लिए विधायक और मंत्री पद कोई मायने नहीं रखता है। वह अपनी जबान के पक्के नेता हैं। हम आपको याद दिला दें कि किरोडी लाल मीणा बार-बार यही कह रहे हैं कि उन्होंने अपनी उस सार्वजनिक घोषणा के कारण इस्तीफा दिया है कि अगर पार्टी उनके अधीन वाली लोकसभा सीटें हारती है तो वे इस्तीफा दे देंगे।

किरोडी लाल मीणा इस्तीफा वापस लेंगे या नहीं, इन अटकलों के बीच उनकी पत्नी तथा पूर्व मंत्री गोलमा देवी का भी बयान सामने आ गया है। उन्होंने कहा है कि लोग अफवाहें फैला रहे हैं कि बड़े पद की लालसा में डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने मंत्री पद से इस्तीफा दिया है।

राजस्थान भाजपा में चल रही उठापटक पर पार्टी नेतृत्व की नजर बनी हुई है और बताया जा रहा है कि जल्द ही कोई सर्वमान्य फॉर्मूला निकाल कर सबकी नाराजगी दूर की जा सकती है। हम आपको बता दें कि सात महीने पुरानी भजन लाल शर्मा सरकार तब मुश्किल में नजर आई जब हाल ही में कृषि मंत्री किरोडी लाल मीणा ने बताया कि उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। किरोडी लाल को मनाने का प्रयास मुख्यमंत्री ने किया, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किया मगर बात नहीं बनी। अब किरोडी लाल मीणा के इस्तीफे का मामला केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुलझाएंगे। संभवतः इस सप्ताह के अंत तक यह मामला सुलझ जाने के आसार बताये जा रहे हैं।

किरोडी लाल मीणा के इस्तीफे को लेकर राजस्थान में तमाम तरह की कयासबाजियां भी चल रही हैं। विपक्ष जहां इसे भाजपा के अंदरूनी घमासान के तौर पर देख रहा है वहीं राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि यह प्रेशर पॉलिटिक्स है। हालांकि खुद किरोडी लाल मीणा कह चुके हैं कि उनकी संगठन या मुख्यमंत्री से कोई नाराजगी नहीं है। लेकिन फिर भी उनके इस्तीफे को लेकर कई तरह की बातें चल रही हैं। पहले कहा गया कि वह अपने लिए सरकार में उपमुख्यमंत्री पद चाहते हैं तो अब कहा जा रहा है कि किरोडी किरोड़ी लाल मीणा अपने भाई जगमोहन मीणा के लिए दौसा संसदीय सीट से टिकट चाहते थे लेकिन पार्टी ने उनकी बात नहीं सुनी। हम आपको बता दें कि भाजपा ने दौसा से कन्हैया लाल मीणा को टिकट दिया था जोकि चुनाव हार गये। बताया जा रहा है कि किरोडी लाल मीणा इस बात के लिए भी नाराज हैं कि दौड़ में होने और योग्य तथा अनुभवी होने के बावजूद उन्हें राजस्थान विधानसभा चुनावों के बाद मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया। यही नहीं, उनसे उम्र तथा अनुभव में काफी छोटे नेताओं को राजस्थान का उपमुख्यमंत्री बना दिया गया। यह भी बताया जा रहा है कि किरोडी लाल मीणा को इस बात की भी नाराजगी है कि उन्हें कृषि विभाग तो दिया गया लेकिन

अक्सर उसके साथ ही मिलने वाले ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग को उनके तथा एक अन्य मंत्री मदन दिलावर के बीच विभाजित कर दिया गया। किरोडी लाल मीणा इस्तीफा वापस लेंगे या नहीं, इन अटकलों के बीच उनकी पत्नी तथा पूर्व मंत्री गोलमा देवी का भी बयान सामने आ गया है। उन्होंने कहा है कि लोग अफवाहें फैला रहे हैं कि बड़े पद की लालसा में डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने मंत्री पद से इस्तीफा दिया है। गोलमा देवी ने कहा कि इन अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि किरोडी लाल मीणा पूर्व में वसुंधरा सरकार से भी इस्तीफा दे चुके हैं, तब भी उन्होंने मनाये जाने के बावजूद इस्तीफा वापस नहीं लिया था। गोलमा देवी ने कहा कि उनके पति के लिए विधायक और मंत्री पद कोई मायने नहीं रखता है। वह अपनी जबान के पक्के नेता हैं। हम आपको याद दिला दें कि किरोडी लाल मीणा बार-बार यही कह रहे हैं कि उन्होंने अपनी उस सार्वजनिक घोषणा के कारण इस्तीफा दिया है कि अगर पार्टी उनके अधीन वाली लोकसभा सीटें हारती है तो वे इस्तीफा दे देंगे। वैसे किरोडी लाल मीणा मामले का एक दूसरा पक्ष भी है। देखा जाये तो भाजपा राजस्थान में नये चेहरों को आगे करने का या युवाओं को बड़ी जिम्मेदारियां देने का जो अभियान चला रही है उससे कई वरिष्ठ नेता नाराज हो गये हैं। इस नाराजगी का असर लोकसभा चुनावों में दिखा भी था। हाल में भाजपा ने कई पुराने और धुरंधर नेताओं को या तो साइड लाइन कर दिया है या दूसरे पद देकर उन्हें राजस्थान की स्थानीय राजनीति से दूर कर दिया है। जैसे कि वसुंधरा राजे को फिर से मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया। वरिष्ठ नेता गुलाब चंद कटारिया को असम का राज्यपाल बना दिया गया। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया को हरियाणा का प्रभारी बना दिया गया। इसके अलावा वसुंधरा राजे के कई करीबी नेताओं को या तो चुनावों में टिकट नहीं दिया गया या विधायक बन जाने पर भी उन्हें मंत्री नहीं बनाया गया है। यहां यह भी गौर करने लायक बात है कि एक समय राजस्थान भाजपा में वसुंधरा राजे के अलावा कोई बड़ा नाम नहीं था लेकिन अब लगातार दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बनाये गये ओम बिरला हैं, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और गजेंद्र सिंह शेखावत हैं, पहली बार विधायक का चुनाव जीतकर मुख्यमंत्री बने भजन लाल शर्मा हैं, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी हैं तथा सांसद से विधायक बना कर राज्य सरकार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहीं दीया सिंह व राज्यवर्धन सिंह राठौड़ जैसे नेता हैं। इस सबको देखते हुए सवाल उठ रहा है कि कहीं राजस्थान भाजपा में दिख रही उठापटक युवा नेताओं और अनुभवी नेताओं के बीच चल रही खींचतान का नतीजा तो नहीं है? बहरहाल, देखना होगा कि किरोडी लाल मीणा मामले का भाजपा नेतृत्व क्या हल निकालता है। यदि किरोडी लाल मीणा की मांगें मान ली जाती हैं तो राजनीतिक रूप से साइड किये जा चुके कई वरिष्ठ नेताओं के मन की उम्मीदें भी हिलोरें मार सकती हैं और वह भी फिर से पद पाने का प्रयास करते दिख सकते हैं। यदि किरोडी लाल मीणा को राजस्थान की राजनीति से बाहर लाकर एक बार फिर सांसद बनाया जाता है तो यह कई नेताओं के लिए सख्त संदेश की तरह होगा। वैसे एक बात तय है कि राजस्थान में जातिगत समीकरणों की महत्ता को देखते हुए किरोडी लाल मीणा को साइड लाइन तो नहीं ही किया जा सकता। उम्मीद तो यह भी की जा रही है कि राजस्थान भाजपा में जाट नेताओं को भी बड़ी भूमिका मिलने जा रही है। देखना होगा कि आने वाले दिनों में राजस्थान की राजनीति क्या नई करवट लेती है?

(यह लेखक के अपने विचार हैं)

जनादेश से सबक लें सांसद

(शशि शेखर)

फ्रांस के इतिहास में 8 नवंबर, 1793 की वह दोपहर एक दर्दनाक वाकये के चलते उन पन्नों पर दर्ज है, जिन्हें तवारीख खुद तकलीफ के साथ याद करती है। उस दिन जेन मैरी रोलैंड को गिलोटिन पर चढ़ाया गया था। उनके आखिरी अल्फाज थे- 'ओ आजादी, तेरे नाम पर कैसे-कैसे जुल्म ढाए गए!' मुझे संसद की कार्यवाही देखते वक्त मैडम मैरी अक्सर याद आती हैं और मन में कौंधता है- हे लोकतंत्र, तेरे नाम पर...।

लोकतांत्रिक व्यवस्था से चुनकर जनतंत्र के सबसे पवित्र प्रासाद में पहुंचे हमारे सांसद कैसा आचरण करते हैं? यू-ट्यूब के अंतरिक्ष में जब कोई शोधार्थी वर्षों बाद इस तमाशानुमा बहस को देखेगा, तो क्या कहेगा?

अगर वह बहुत सकारात्मक रुचि-अभिरुचि का व्यक्ति हुआ, तो शायद उसे फ्रांस का उदाहरण याद आ जाए। वहां 1789 में राज्य-क्रांति हुई थी। इसकी शुरुआत अजब-गजब थी। राजा से रोटी की मांग करते अनियोजित तौर पर इकट्ठा हुए लोगों के ऊपर पुलिस ने वर्साय में गोली चला दी थी। अपने साथियों के शव कंधों पर लाद लोग पेरिस लौटे थे। उसी एजेंडा रहित बदहाल भीड़ ने मशहूर खगोलविद् जीन-सिल्वेन बैली की सदारत में उस दिन टेनिस कोर्ट पर जो शपथ ली, उसने धरती से राजतंत्र की विदाई की शोकांतिका लिख दी। हालांकि, फ्रांस को अपनी नई व्यवस्था गढ़ने में अराजकता भरे पचास वर्षों से गुजरना पड़ा। खुद मैरी उसका शिकार हुईं।

हमारी संसद और सांसद आज नहीं तो कल, इस मर्म को समझ जाएंगे। ऐसा कहने की सबसे बड़ी वजह यह है कि हम फ्रांस, चीन या रूस की तरह नहीं हैं। ईसा से सदियों पहले हमारे यहां लोकतंत्र की जो बेल रोपी गई थी, उसे 15 अगस्त, 1947 को अपने नसीब से साक्षात्कार का सौभाग्य हासिल हुआ। तब से आज तक हमारी संसदीय व्यवस्था अपनी रहगुजर खुद-ब-खुद गढ़ रही है। भारत के साथ या आसपास जन्मे पड़ोसी मुल्कों का हाल देख लीजिए, स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

हम कुछ लोगों की उम्मीद के मुताबिक भले सरपट न दौड़ रहे हों, पर अपने हक-हुकूक को लेकर खासे जागरूक हैं। पिछले महीने संपन्न हुए चुनाव का उदाहरण ले लीजिए। मतदान की तारीखें घोषित होने तक कौन सोचता था कि पिछली दो बार से सत्ता की चौहद्दियों पर पूरी मजबूती से काबिज भारतीय जनता पार्टी तीसरी बार बहुमत हासिल करने से वंचित रह जाएगी? क्या नहीं था उसके पास? प्रधानमंत्री मोदी का सक्षम नेतृत्व, सबसे बड़ा पार्टी संगठन और अकूत संसाधन। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस उसके समक्ष कहीं ठहरती नहीं नजर आती थी। छोटे-मोटे क्षेत्रीय दलों की तो बिसात ही क्या थी, पर वे ही भाजपा के विजय-रथ की सबसे बड़ी बाधा साबित हुए।

यह जनादेश दोनों पक्षों को क्या संदेश देता है?

सत्तारूढ़ दल के लिए साफ पैगाम है कि आपको अपनी रीति-नीति फिर से गढ़नी होगी। चुनावी राजनीति के लिए आपने जो रसायन बनाया था, वह पहले जैसा कारगर नहीं रहा। इसी तरह, विपक्ष के लिए सबक है कि इतराइए मत। आप आगे बढ़े हैं, पर अभी भारतीय जनता पार्टी की कुल सीटों से कम हैं। सत्ता में वापसी के लिए आपको बहुत मेहनत करनी है।इन सबक और संदेशों का पहला इम्तिहान संसद में होना था। इस परीक्षा में कौन पास हुआ और कौन फेल?

शायद आप भी मेरी तरह राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई बहस से दहल गए होंगे। सांसदों और सदन के नेताओं से उम्मीद की जाती है कि वे जिम्मेदारी भरे व्यवहार का प्रदर्शन करेंगे, लेकिन हुआ इसका उल्टा। ऐसा लग रहा था कि सत्ता पक्ष अपेक्षित परिणाम न मिलने की वजह से आक्रमण को ही बचाव मान रहा है। संभवतः ऐसा पहली बार हुआ है, जब सत्ता पक्ष ने विपक्षी आचरण के खिलाफ पहले सत्र में ही निंदा प्रस्ताव पारित करा दिया।

इसके विपरीत विपक्ष प्रतिरोध के बजाय प्रतिशोध की मुद्रा में दिखाई पड़ा। मसलन, महुआ मोइत्रा अच्छा बोलती हैं। उनकी शैली जबरदस्त है और लहजा धारदार। उन्होंने तार्किक दृष्टि से अपनी बात कहनी शुरू की, पर यह कहना भी नहीं भूलीं कि आपने मुझे इस सदन से बाहर करने की जो गलती की थी, उसकी भारी कीमत चुकाई। महुआ ने कहा, 'पिछली बार जब मैं यहां बोलने के लिए खड़ी हुई थी, तो मुझे बोलने नहीं दिया गया। लेकिन सत्ताधारी दल ने एक सांसद की आवाज दबाने की बहुत भारी कीमत चुकाई है। मुझे बैठाने के चक्कर में जनता ने आपके 63 जन को 'परमानेंटली' बैठा दिया।' इसी तरह, पिछली बार तथाकथित 'अमर्यादित आचरण' के लिए जो सौ से अधिक सांसद निलंबित किए थे या जिनकी सदस्यता खारिज कर दी गई थी, वे भी जैसे बदला चुका रहे थे। नतीजतन, दोनों सदन की आसंदियों पर बैठे महानुभावों को सीधे आक्षेप झेलने पड़े।

क्या पक्ष-विपक्ष के नेताओं को अगले पांच साल के लिए इस सदन में गंभीर चिंतन नहीं करना चाहिए?

उनके पास विचार-मंत्रणा के लिए तमाम मुद्दे हैं। वे जिस नई दिल्ली में रहते हैं, पिछले हफ्ते तक उसका कंठ पानी की कमी से सूख रहा था। यहां पहली बारिश भी राहत नहीं, आफत लेकर आई। कुछ ही घंटे में राजधानी के तमाम हिस्से जलाशय बन गए। आधा दर्जन से अधिक लोगों को जान गंवानी पड़ी और करोड़ों की संपत्ति बर्बाद हो गई थी। इससे पहले जल संकट के दौरान पानी के लिए गर्मियों में बाकायदा कत्ल हुआ और खून बहा था।

हमारे सांसद जिस महानगर में रहते हैं, अगर वही बेहाल है, तो संसद देशवासियों के लिए खुशहाली के सपने कैसे बुन सकती है? देशहित के कई मुद्दों पर दोनों पक्षों में आमराय बनानी होती है। जब प्रतिस्पर्द्धा निजी रंजिश को हवा दे रही हो, तो इसकी उम्मीद कैसे की जा सकती है?

प्रतिशोध और प्रतिकार की यह प्रवृत्ति सिर्फ सदन के अंदर नहीं दिख रही। बदले की राजनीति देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग तरीके से आकार ले रही है। गुजरी जून में सत्ताबदर हुए जगन रेड्डी के खिलाफ आंध्र प्रदेश के नए निजाम की कार्रवाई इसका उदाहरण है। जगन ने मौजूदा मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को सलाखों के पीछे धकेल दिया था। अब नायडू उन्हें ध्वस्त करने पर आमादा हैं। इसी तरह, कर्नाटक और तेलंगाना में आरोप है कि कांग्रेस अपने विपक्षियों को उसी अंदाज में 'निपटा' रही है, जैसा आरोप वह दिल्ली की हुकूमत पर लगाती आई है।

सदन के अंदर और बाहर हमारे सत्तानायकों का यह चरित्र और चेहरा लोकतंत्र के लिए शुभ संदेश नहीं देता। इस प्रवृत्ति को रुकना चाहिए, पर इसे थामेगा कौन? यह नेक काम भी तो हमारे 'माननीयों' को करना है।

वर्ग पहेली 5426

संकेत: बाएं से दाएं

1. इस क्रांतिकारी को भगतसिंह के साथ फांसी पर चढ़ाया गया था (4)
4. पृथ्वी के ऊपर की सतह (3)
6. कथन, दो या अधिक व्यक्तियों के बीच वार्तालाप (4)
8. अपना मतलब निकालने वाला, कुशल, चालाक (3)
9. किसी नगर या कस्बे में पहुंचने का प्रवेश स्थल (2)
10. किसी बड़े स्थान को घेरने के लिए लगया गया तंबू (4)
11. तलाश करने के किया जाने वाला प्रयत्न (3)
13. बेटी के बेटे को यह कहते है (2)
15. शिकस्त, पराजय, माता का अपभ्रंश (2)
16. धूल आदि साफ करने के लिए उपयुक्त होने वाली वस्तु (3)
17. बुलावा, उपस्थित होने के लिए जोर से बुलावा (3)
18. स्त्री जाति का प्राणी (2)
19. सख्त होने का भाव (2)
20. आसान, सरल, सामान्य, साधारण (3)

ऊपर से नीचे

1. संत तुलसीदास की प्रसिद्ध धार्मिक कृति (8)
2. उद्गार, धूल, गर्द (3)
3. ऋतु का अपभ्रंश (2)
4. बीता हुआ, अतीत, पिशाच, प्रेत (2)
5. छोटी लता को यह कहा जाता है (3)
7. मुख्यमंत्री (अंग्रेजी)(6)
9. सनिश्चय नहीं, बिल्कुल नहीं (3)
12. पद प्रहार, ठोकर, पदाघात (2)
14. तीर से लक्ष्य को भेद करने वाला (4)
16. यह सेनेगल देश की राजधानी है, उर्ध्ववायु (3)
18. तीस दिनों का समय, मास (2)

वर्ग पहेली 5425 का हल

व	छ	भ	भा	ई	प	टे	ल
सी		न	न		ह	ल	क
य	म	क		को	ला	र	
त	ला		श	शि			आ
ना	या	ब		श	ह	ना	ई
मा		द	म		म	ना	ना
	आ	ल	म	आ	रा		
जा	ग	ना		न	ज	रा	ना

स्वाइन फीवर और स्वाइन फ्लू में अंतर

(सीमा लावत)

केरल के त्रिशूर जिले में अफ्रीकन स्वाइन फीवर के कई मामले सामने आने के बाद केंद्र सरकार ने केरल के त्रिशूर जिले में 310 सूअरों को मौत की नींद सुला दिया। यह सूअरों के बीच फैलने वाली बीमारी है। इसे लेकर पूरे जिले में अलर्ट जारी कर दिया गया

है। संक्रमति इलाकों में सख्त निगरानी के साथ ही डिसइंफेक्शन के भी इंतजाम कड़े कर दिए गए है। साथ ही पोर्क (सुअर के मांस) को बेचने और निर्यात पर भी बैन लगाया गया हैं। वैसे आपको बता दें कि बहुत से लोग स्वाइन फ्लू और स्वाइन फीवर में अंतर नहीं कर पाते हैं और दोनों को एक ही समझ बैठते हैं। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कि स्वाइन फ्लू और स्वाइन फीवर का क्या अंतर है?

स्वाइन फ्लू क्या है

स्वाइन फ्लू एचवीएनवी1 इन्फ्लूएंज़ा वायरस के कारण होने वाला एक संक्रामक श्वसन संक्रमण है। जो सूअरों से फैलता है। इसके लक्षण भी सामान्य फ्लू जैसे ही होते हैं। इस वजह से स्वाइन फ्लू कहा जाता है। स्वाइन फ्लू मूल रूप से सूअरों में पाई जाने वाली बीमारी है, जो इंसानों को संक्रमित कर सकती है। यह एक व्यक्ति से दूसरे में तेजी से फैलता है। इसके एचवीएनवी2 और एचवीएनवी3 वैरिएंट भी हैं। हालांकि, इंफ्लुएंजा के ये वेरिएंट इंसानों में उतनी तेजी से नहीं फैलते हैं। इनके केस भी बहुत कम ही देखने को मिलते हैं। स्वाइन फ्लू के प्रमुख लक्षण क्या हैं स्वाइन फ्लू एक तरह की रेस्पिरेटरी डिजीज है, जो फेफड़ों को प्रभावित करती है। इसके लक्षण इस तरह नजर आते हैं- शरीर में दर्द - कंपकंपी - खांसी - नाक बहना - सिर दर्द - बुखार - थकान - उल्टी और पेट खराब - सांस लेने में दिक्कत इसमें मामला गंभीर होने पर रेस्पिरेटरी फेल्योर की वजह मरीज की जान भी जा सकती हैं।

कैसे फैलता है स्वाइन फ्लू

स्वाइन फ्लू का वायरस सूअरों के शरीर में होता है। यह वायरस हवा के जरिए तेजी से फैलता है। इंसानों में यह बीमारी एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में आसानी से और तेजी से फैलती है। छींक, खांसी और वायरस वाली सतह को छूने के बाद त्वचा के संपर्क करने जैसे कि हाथ मिलाने या गले लगाने से फैलता है। अफ्रीकन स्वाइन फीवर अफ्रीकन स्वाइन फीवर स्वाइन फ्लू से अलग बीमारी है और यह सुअरों से इंसानों में नहीं फैलती है। मगर यह सुअरों के लिए घातक है। अफ्रीकन स्वाइन फीवर टिक्स के जरिए फैलता है, जो एक सुअर से दूसरे तक पहुंचकर उन्हें बीमार कर सकता है। इंसान अपने जूतों या कपड़ों के माध्यम से इस वायरस के वाहक बनते हैं। इसे जिसे अक्सर 'हॉग हैजा' के रूप में जाना जाता है। इसमें संक्रमित दूसरे सुअर को भी प्रभावित कर सकता है। इसके लक्षण - उच्च बुखार - अवसाद - एनॉरेक्सिया - भूख में कमी - त्वचा में रक्तस्राव - डायरिया - सांस लेने में मुश्किल।

आज का राशिफल

मेष

आज दिन शुभफलदायी है और सभी कार्य में सफलता प्राप्त होगी। आपके लिए धन प्राप्ति के शुभ संयोग बन रहे हैं। आपकी मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी और सम्?मान की प्राप्ति होगी। कुछ आकस्मिक लाभ होने के योग हैं और सम्मान में वृद्धि होगी। शुभ और धार्मिक कार्य में रुचि बढ़ेगी।

वृषभ

आज लाभ के योग बन रहे हैं और चंद्रमा आपको सम्मान दिलाएगा। आपको इस सप्ताह रुका धन मिलने से पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। ऑफिस में लोग आपके कार्य की प्रशंसा करेंगे और आपकी तरक्की होगी। आप अपने किए कार्यों की प्रशंसा से फूले नहीं समाएंगे।

मिथुन

आज भाग्य साथ दे रहा है और आपको करियर में सफलता मिलने के योग हैं। आपके घर में आर्थिक मामलों को लेकर विवाद हो सकता है। शत्रु पक्ष के लोग आपको परेशान करने की कोशिश करेंगे और कारोबार में आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी।

कर्क

आज दिन धन सम्मान में वृद्धि देने वाला होगा। आपको हर मामले में सफलता मिलने के योग हैं और आपके लाभ में वृद्धि होगी। पुराने किसी महान व्यकित से मिलने से आपको लाभ होगा और आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मंत्री पद की प्राप्ति भी हो सकती है।

सिंह

आज आपके सम्मान में वृद्धि होगी सिंह राशि के लोगों को करियर में सफलता प्राप्त होने के योग हैं और आपके सम्मान में वृद्धि होगी। कारोबार में अकस्मात् अधिक लाभ होगा और आपको प्रगति होने से खोया हुआ विश्वास पुनः प्राप्त होगा। संतान पक्ष से भी अपेक्षित समाचार मिलेगा।

कन्या

आज का दिन मिलाजुला रहेगा और काफी दिनों से जो असमंजस बना हुआ है, उसका अंत होगा और मायूसी भी समाप्त हो जाएगी। जिस वजह से आप के सभी कार्य अभी तक नहीं बन रहे थे आज वह रुकावट हट जाएगी और आपके रचनात्मक कार्यों में गति आएगी।

तुला

आज सम्?मान में वृद्धि होगी और काफी समय से रुके कुछ कार्य पूर्ण होंगे। कार्यक्षेत्र में भूलकर भी कोई रिस्क न लें, वरना आपको लेने के देने पड़ सकते हैं। बेहतर होगा कि आप फालतू के खर्च से दूर रहें, वरना आपको पैसों की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। किसी संकट में फंस सकते हैं।

वृश्चिक

आज दिन काफी परेशानियों वाला रहेगा। घरेलू और व्यावसायिक वातावरण काफी उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। कई प्रकार के विवाद और झंझट आपके सामने आ सकते हैं। सायंकाल तक आप अपना कुछ समय लगाकर अपने कार्यकौशल से अपनी मुसीबतें कम कर पाएंगे और आपको लाभ होगा।

धनु

आज सम्मान में वृद्धि होगी और आपको प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त होगी। आप परीक्षा को उत्तीर्ण कर लेना चाहते हैं और उसके लिए आप जी तोड़ मेहनत करेंगे। जिस तरीके से आप अपनी रणनीति को लागू कर रहे हैं, उससे लगता है कि युक्तिसंगत प्रयासों का लाभकारी परिणाम सामने आएगा।

मकर

आज का दिन खुशी वाला रहेगा। आज आपका मूड सुबह से ही अच्छा रहेगा। किसी बड़े लाभ के चक्कर में आप दिनभर भागदौड़ करने के लिए भी तत्पर रहेंगे। आपको मेहनत का लाभ भी होगा। सभी काम एक-एक कर बनने लगते हैं और व्यर्थ की जद्दोजहद और तनाव भी कम होगा।

कुंभ

आज करियर में लाभ होने के योग हैं और आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी। आप फालतू के काम में काफी उलझे रहेंगे और काम करने में मन नहीं लगेगा। आपको अपनी पोजिशन स्पष्ट करनी है, तो फिर अपने वरिष्ट अधिकारी को इसकी जानकारी अवश्य दें। बेहतर होगा कि कार्यक्षेत्र में अपने काम पर ध्यान दें और दूसरों की बात में न आएं।

मीन

आज रोजगार प्राप्ति के योग बन रहे हैं। आज व्यवसाय के विस्तार के लिए पर्याप्त अवसर और अनुकूल समय है। बाहर की सुविधाएं भी आपको मिल रही हैं और आर्थिक कमी से भी आपको परेशानी नहीं होगी। संतान के विवाह का प्रसंग प्रबल है। रुपये-पैसे के मामले में कोई भी फैसला लेने से पहले सोचसमझ लें।

संक्षिप्त समाचार

कठुआ में आतंकी हमले के बाद गुलाम नबी आजाद ने की सरकार से कड़े कदम उठाने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में सोमवार को आतंकियों ने भारतीय सेना की गाड़ी पर पर गोलीबारी और फिर ग्रेनेड से अटैक किया। इस हमले में सेना के चार जवान शहीद हो गए, जबकि 6 घायल बताए जा रहे हैं। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रविंद्र शर्मा और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए सरकार से सख्त कदम उठाने की मांग की है। यह एक दुखद घटना है कि कठुआ के इलाके में हमारे चार जवान शहीद हो गए और 6 के घायल होने की जानकारी है। इस तरह की स्थिति जम्मू सूबे के हर जिले में है। सरकार आतंकवाद खत्म करने के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन डोडा, राजौरी, कठुआ जैसे इलाके भी आतंकवाद से ग्रस्त होते जा रहे हैं। यह एक दुखद घटना है, सरकार को गंभीरता से देखना होगा। चुनाव के बाद अचानक इस तरह की स्थिति बनना चिंता का विषय है। सरकार को कठोर कदम उठाने होंगे और बताना होगा कि इस तरह के गंभीर हालत क्यों हो रहे हैं। इस घटना पर डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के चेयरमैन और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने भी ट्वीट करते हुए कहा, कठुआ में सेना के वाहन पर हुए आतंकी हमले में चार जवानों की शहादत और छह जवानों के घायल होने की खबर बेहद दुखद और निंदनीय है। जम्मू प्रांत में आतंकवाद का बढ़ना बेहद चिंताजनक है। हमारी संवेदनाएं घायल जवानों और उनके परिवारों के साथ हैं। सरकार को आतंकवाद से निपटने और जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाने चाहिए। सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। फिलहाल इलाके में सुरक्षाबलों की तरफ से सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। बीते दो माह में सेना के वाहन पर यह दूसरा आतंकी हमला है। अधिकारियों ने कहा कि आतंकियों ने सेना की गाड़ी पर ग्रेनेड फेंके और इसके बाद फायरिंग शुरू कर दी। सेना के जवान रूटीन पेट्रोलिंग पर थे। इसी दौरान आतंकियों ने सेना की गाड़ी पर दोपहर करीब 3.30 बजे हमला कर दिया।

केजरीवाल सरकार ने दिल्ली की शिक्षा प्रणाली को तहस-नहस किया : वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी (आप) पर शिक्षा प्रणाली को पूरी तरह से तहस-नहस करने का आरोप लगाया है। उन्होंने दिल्ली में 5,000 शिक्षकों के ट्रांसफर को गलत करार दिया और कहा कि उपराज्यपाल ने ट्रांसफर निरस्त करके आप की साजिश को बेनकाब कर दिया है। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल सरकार ने पिछले 10 साल में दिल्ली की शिक्षा प्रणाली को पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया है। दिल्ली में 6,000 शिक्षकों की कमी है, इसके बावजूद भी 5,000 शिक्षकों को ऐसे कामों में लगा दिया गया है, जहां वे बच्चों को पढ़ा नहीं सकते हैं। उनका काम पूरी शिक्षा को सुधारना था, लेकिन उनको दूसरे कामों में लगा दिया गया है। उनको शिक्षक की जगह आम आदमी पार्टी का कार्यकर्ता बना दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि 205 शिक्षक स्कूल मेंटर के नाम पर घूमते रहते हैं, 1,000 से ज्यादा शिक्षकों को स्कूल को-ऑर्डिनेटर बनाया गया है, 1,000 से ज्यादा शिक्षक स्कूल डेवलपर्स हैं, इनका पढ़ाने की बजाए केवल घूमने का काम है। जिन शिक्षकों को बच्चों को पढ़ाकर बच्चों को बड़ा करना था, उनको धमकाया जाता है। 9वीं और 11वीं में बच्चों को जान-बूझकर फेल किया जाता है, ताकि 10वीं और 12वीं का रिजल्ट अच्छा आ सके। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि पूरी शिक्षा प्रणाली को ध्वस्त कर दिया गया है। अलग-अलग स्कीम के नाम पर बच्चों के पीरियड कम कर दिए गए हैं। इन्होंने पूरे सिस्टम को भ्रष्ट बना दिया है और ये शिक्षा क्रांति की बात करते हैं। सिर्फ आंकड़े सुधारने पर ध्यान दिया जाता है। बच्चों और शिक्षकों का अनुपात लगातार कम क्यों होता जा रहा है? कोई नया स्कूल नहीं खोला है और उपराज्यपाल ने शिक्षकों का ट्रांसफर रद्द करके इनकी साजिश को बेनकाब किया है।

गुजरात में श्रीलंका के मानद कौंसल नियुक्त हुए राकेश रमनलाल शाह

नईदिल्ली, एजेंसी। जीएसईसी लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक राकेश रमनलाल शाह को श्रीलंका सरकार द्वारा अहमदाबाद में श्रीलंका के लिए मानद वाणिज्य दूत के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने सोमवार को उच्चायुक्त क्षेनुका सेनेविरत्ने से अपनी नियुक्ति का कमीशन प्राप्त किया। उनका कांसुलर एक्सेस गुजरात तक फैला हुआ है। इस पद के निर्माण का उद्देश्य व्यापार, निवेश और पर्यटन के अवसरों को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए गुजरात के साथ श्रीलंका के संबंधों को मजबूत करना है। गुजरात भारत में अपने महत्वपूर्ण उद्योगों के लिए प्रसिद्ध है, जिनमें बंदरगाह विकास, बुनियादी ढांचा, कृषि-खाद्य उद्योग, स्टार्टअप, फार्मास्यूटिकल्स और कपड़ा शामिल हैं। नए मानद कौंसल को उनकी नियुक्ति पर बधाई देते हुए उच्चायुक्त सेनेविरत्ने ने सभी संबंधित क्षेत्रों में गुजरात राज्य के साथ श्रीलंका की भागीदारी को बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। उनकी व्यावसायिक साख पर विचार करते हुए उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य को पूरा करने में उच्चायोग की सहायता करने के लिए वह सबसे अच्छे विकल्प हैं।

छात्रों का दावा- छह विषयों की आधे से अधिक आंसर-की के जवाब गलत

नई दिल्ली, एजेंसी। अब सीयूईटी-यूजी 2024 की प्रोविजनल आंसर-की को लेकर विवादों में घिर गई है। छात्रों का दावा है कि सीयूईटी-यूजी, 2024 की रविवार को जारी प्रोविजनल आंसर-की में छह से अधिक पेपर के आधे से अधिक उत्तर गलत हैं। इसमें मनोविज्ञान, कानूनी अध्ययन, इकोनोमिक्स, इंग्लिश,बायोलॉजी पेपर के सवालों में सबसे अधिक दिक्कत है। अब छात्र परेशान हैं कि जब एक-एक पेपर के 35 से 36 सवाल ही गलत होंगे तो वे कितने प्रश्नों के उत्तर को चुनौती दें। क्योंकि एक प्रश्न को चुनौती देने के लिए उन्हें 200 रुपये देने होंगे। एनटीए ने कहा है कि सीयूईटी यूजी 2024 को लेकर कुछ छात्रों ने आपत्ति दर्ज की है। जिन छात्रों ने 30 जून तक एनटीए को अपनी आपत्ति भेजी हैं, उसकी कमेटी जांच कर रही है। कमेटी जांच में जिन छात्रों की दिक्कत सही निकलेगी, उनको 15 से 19 जुलाई के बीच दोबारा परीक्षा का मौका मिलेगा।

यह दोबारा परीक्षा कंप्यूटर आधारित होगी। छात्रों का कहना है कि दोबारा परीक्षा के लिए 30 जून की समय-सीमा निर्धारित करना बिल्कुल गलत है। क्योंकि दिक्कत तो अब सामने आ रही हैं। इसलिए दोबारा परीक्षा की मांग करने वाले सभी छात्रों को मौका मिलना चाहिए। एक अभिभावक ने 34 प्रश्नों के 6800 रुपये जमा किए एक अभिभावक ने एनटीए को लिखा है कि मनोविज्ञान की आंसर-की देखने के बाद उनकी बेटी ने 34 प्रश्नों के लिए 6800 रुपये की फीस दी है। मॉस -मीडिया समेत अन्य कंप्यूटर आधारित परीक्षा के भी 35 से 36 प्रश्न गलत हैं। फिजिक्स और केमिस्ट्री में हटाए गए चैप्टर से प्रश्न पूछे गए हैं। डीपीएस अंनतनाग सेंटर के साहिल और मुस्कान उम्मीदवार ने लिखा है कि जनरल टेस्ट पेपर लेट शुरू हुआ, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उनको परीक्षा में पूरा समय तक नहीं मिला। जबकि वे दोबारा परीक्षा देने की मांग कर रहे हैं।

इस तरह की गड़बड़ी : उदाहरण के लिए, लीगल स्टडीज पेपर में एक प्रश्न पूछा गया है कि भोपाल गैस त्रासदी के मद्देनजर भारत सरकार ने संविधान के किस अनुच्छेद के तहत 1986 का पर्यावरण संरक्षण अधिनियम लागू किया था। एनसीईआरटी पुस्तकों के अनुसार, सही उत्तर अनुच्छेद 253 (प्रश्न पत्र का विकल्प 4) होगा। हालाँकि, अनंतिम उत्तर कुंजी के अनुसार सही विकल्प अनुच्छेद 38 (प्रश्न पत्र पर विकल्प 2) है।

इसी तरह, कंप्यूटर साइंस पेपर में, एआरपीएएनईटी के पूर्ण रूप का उत्तर, जो किताबों के अनुसार एडवांस्ड रिसर्च प्रोजेक्ट्स एजेंसी नेटवर्क है, को उत्तर कुंजी में स्वचालित रिसर्च प्रैक्टिकल एप्लिकेशन नेटवर्क के रूप में चिह्नित किया गया है।

गड़बड़ी बताएं, विशेषज्ञ ठीक करके फाइनल आंसर-की बनाएंगे सीयूईटी यूजी 2024 की प्रोविजनल आंसर-की छात्रों के लिए जारी हुई है, ताकि वे किसी भी तरह की गड़बड़ी को सामने ला सकें। इसके बाद विशेषज्ञ इन गड़बड़ियों की जांच करके फाइनल आंसर-की जारी करेंगे। वर्षों से ऐसे ही होता है, छात्र फीस देकर एनटीए को आंसर के लिए चैलेंज कर सकते हैं। - प्रोफेसर एम जगदीश कुमार, अध्यक्ष, यूजीसी।

सेवा के साथ प्लेटलेट्स भी दान कर रहा नर्सिंग स्टाफ, दो सप्ताह से सर्जरी के लिए इंतजार कर रहा था मरीज

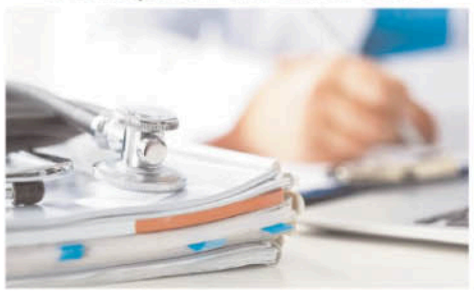

नईदिल्ली, एजेंसी। बिहार के मोतिहारी में रहने वाले 51 साल के विरेंद्र सहानी दो माह से एम्स में इलाज करवा रहे थे। यहां जांच के दौरान उनकी पेट में तिल्ली (स्प्लीन) बढ़ी हुई पाई गई। जांच के बाद डॉक्टरों ने सर्जरी के लिए सुझाव दिया। सर्जरी के लिए एक साथ दो यूनिट एसडीपी की जरूरत थी।

प्लेटलेट्स के अभाव में सर्जरी के लिए दो सप्ताह से एम्स में इंतजार कर रहे मरीज की मदद के लिए नर्सिंग स्टाफ आगे आया। मरीज को परिजनों से सहयोग न मिलने पर नर्सिंग स्टाफ ने विशेष अभियान चलाकर उनके लिए दो यूनिट एकल दाता प्लेटलेट्स (एसडीपी) एकत्रित की। अब मरीज की सर्जरी मंगलवार को हो सकेगी। बिहार के मोतिहारी में रहने वाले 51 साल के विरेंद्र सहानी दो माह से एम्स में इलाज करवा रहे थे। यहां जांच के दौरान उनकी पेट में तिल्ली (स्प्लीन) बढ़ी हुई पाई गई। जांच के बाद डॉक्टरों ने सर्जरी के लिए सुझाव दिया। सर्जरी के लिए एक साथ दो यूनिट एसडीपी की जरूरत थी। मरीज अपने स्तर पर इसकी व्यवस्था नहीं कर पा रहा था। ऐसे में दो सप्ताह से सर्जरी के लिए इंतजार करना पड़ा। मरीज की पत्नी रेखा ने बताया कि उनको परेशान देखकर नर्सिंग अधिकारी कनिष्क यादव ने अभियान चलाया। अभियान चलाने के बाद एम्स से शशिकांत और सफदरजंग से देवी सिंह नर्सिंग अधिकारी एसडीपी देने के लिए आगे आए। इनके अलावा दिव्या, गणेश, धर्म, मांगीलाल और भगवान नाम के पांच स्वास्थ्य कर्मी और कैलाश नाम के पुलिस कर्मी भी दान करने के लिए आए। हालांकि, मरीज की जरूरत पूरी हो गई थी। डॉक्टरों की माने तो सोमवार को भी एसडीपी न मिलता तो सर्जरी के लिए इंतजार और बढ़ जाता।

तो चांदनी से चौक से हटेंगी दुकानें! एमसीडी का प्लान जान लीजिए

नईदिल्ली, एजेंसी। चांदनी चौक में हाल ही में हुई आग की घटना के बाद, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) क्षेत्र के बाजारों से दुकानों को दूसरी जगह ले जाने की संभावनाओं पर विचार कर रहा है। इसके लिए एक्सपर्ट और व्यापारियों की एक पांच सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। 1 जुलाई को हुई बैठक में, एमसीडी के सिटी एसपी जोन के सहायक आयुक्त और वाल्ड सिटी से जुड़े सभी हितधारकों ने क्षेत्र के बाहर व्यापारिक गतिविधियों को स्थानांतरित करने के प्रस्ताव पर काम करने का फैसला किया। चांदनी चौक और उसके आस-पास के भागीरथ पैलेस के अत्यधिक भीड़भाड़ वाले बाजारों में कई कारणों से आग लगने की घटनाएं हुई हैं। इनमें से एक प्रमुख कारण क्षेत्र में कई टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर के तार बहुत नीचे लटके हैं। इलाके में अनधिकृत निर्माण का भी मुद्दा है। नवंबर 2022 में, भागीरथ पैलेस बाजार में भीषण आग लगने से चार इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई थीं। साथ ही कई दुकानें जलकर खाक हो गईं। इसके तुरंत बाद, आग के कारणों का पता लगाने और ऐसी दुर्घटना का दोहराव को रोकने के लिए सिफारिशें करने के लिए 11 सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया था।

आंखों में होने वाले यूवाइटिस रोग की पहचान अब होगी आसान, एम्स ने अध्ययन कर की प्राथमिक कारण की पहचान

नईदिल्ली, एजेंसी। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में प्रति एक लाख लोगों में 730 में इस बीमारी की आशंका रहती है। मौजूदा समय में रोग का इलाज नहीं है। यह रोग 20 से 50 साल की आयु वर्ग में होने की सबसे ज्यादा आशंका रहती है। ऐसे में डॉक्टर उम्मीद कर रहे हैं कि शोध के बाद रोग को बढ़ने से रोका जा सकेगा। लोगों की रोशनी छिन रहा ऑटोइम्यून डिजीज यूवाइटिस रोग की पकड़ अब आसान हो सकेगी। एम्स के विशेषज्ञों ने एक अध्ययन करके इस रोग के प्राथमिक कारणों को जाना है। आने वाले दिन में और शोध कर रोग का इलाज भी तलाशा जाएगा। एम्स के बायोटेक्नोलॉजी व आरपी सेंटर के डाक्टरों व विशेषज्ञों ने मिलकर यह शोध किया है। यह शोध हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मेडिकल जर्नल इम्युनोलाजी लेटर्स में प्रकाशित हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में प्रति एक लाख लोगों में 730 में इस बीमारी की आशंका रहती है। मौजूदा समय में रोग का इलाज नहीं है। यह रोग 20 से 50 साल की आयु वर्ग में होने की सबसे ज्यादा आशंका रहती है। ऐसे में डॉक्टर उम्मीद कर रहे हैं कि शोध के बाद रोग को बढ़ने से रोका जा सकेगा। साथ ही भविष्य में विस्तार से शोध होने पर इसका इलाज भी खोजा जा सकेगा। शोध में भागीदार व एम्स के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. रूपेश के श्रीवास्तव ने बताया टीएच 17 व टी-रेग सेल खून के अलावा आंखों की जेल (एक्विअस ह्यूमर) में भी पाए जाते हैं। खून में टीएच 17 व टी-रेग सेल के असंतुलन से आंखों में

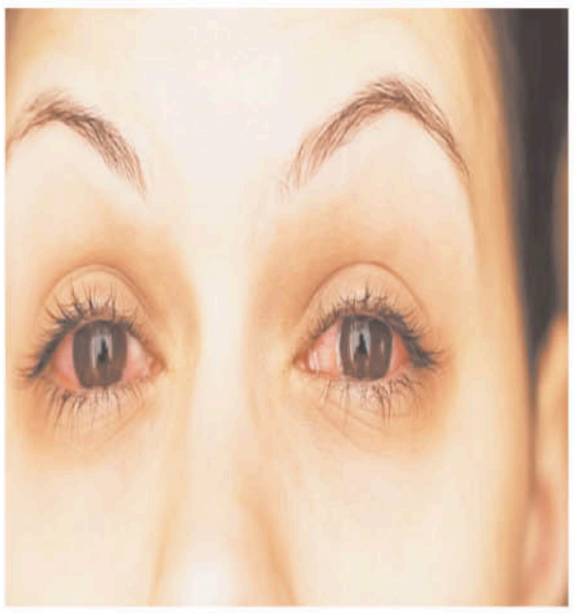

यूवाइटिस होने की आशंका होती है। ऐसे में खून में टीएच 17 व टी-रेग सेल में असंतुलन की जांच कर आंखों में होने वाले यूवाइटिस की पहचान की जा सकती है। पहचान होने से इलाज जल्दी शुरू हो सकता है और आंख की रोशनी बच सकती है। उनका कहना है कि खून में टीएच 17 व टी-रेग सेल के बीच असंतुलन से सूजन व आटोइम्यून की कई अन्य बीमारी होने की बात पहले कुछ शोधों में सामने आ चुकी है, लेकिन आंखों के तरल पदार्थ में होते हैं, यह बात पहले किसी शोध में सामने नहीं आई थी। इस शोध में 10 पीड़ित मरीज और दस स्वस्थ लोग शामिल किए गए। शोध में पाया गया कि आंखों की जेल (एक्विअस ह्यूमर) टीएच17 व टी-रेग सेल थे। यूवाइटिस से पीड़ित मरीजों की आंखों से लिए गए।

अब कैदी को हथकड़ी लगा सकेगी पुलिस, एक पीसीआर कॉल पर जाते हैं तीन पुलिसकर्मी, अपराधी का बचना मुश्किल

नईदिल्ली, एजेंसी। पुलिस अब कैदियों को हथकड़ी लगा सकेगी और हथकड़ी में ही कोर्ट में पेश कर सकेगी। नए कानून लागू होने के बाद यह सब संभव हो सकेगा। अब किसी घटना की पीसीआर कॉल होने पर एक नहीं बल्कि तीन पुलिसकर्मी जाते हैं। ये तीनों पुलिसकमी पूरे माहौल को कवर करने के अलावा वीडियोग्राफी करते हैं। ऐसे में अब सबूतों के साथ न छेड़छाड़ हो सकेगी और न ही सबूतों को बदला जा सकेगा। इससे पीडितों को न्याय मिल सकेगा। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अब पीसीआर कॉल होने पर तीन पुलिसकर्मी मौके पर भेजे जाते हैं। जांच अधिकारी हवलदार व उससे ऊपरी रेंक का पुलिस अधिकारी होता है। इसके बाद दूसरा पुलिसकर्मी आईओ किट वाला होता है। उसके पास आईओ जांच की पूरी किट होती है। इस किट में आपराधिक घटना के कवर या फिर काम आने वाले सभी उपकरण टेप, पेचकश, कैमरा समेत अन्य सामान होता है। इसके अलावा एक तीसरा पुलिसकर्मी भी होगा। यह पुलिसकर्मी वीडियोग्राफी बनाने व फोटो खींचने आदि में मदद करेगा।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार पहले पीसीआर कॉल पर एक ही पुलिसकर्मी चला जाता था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटना व अपराधी के बयानों की वीडियोग्राफी होगी, जो एक महत्वपूर्ण व पुख्ता सबूत होगा। साथ में मौके पर मौजूद लोगों के बयान भी दर्ज किए जा सकेंगे। इन मामलों में हथकड़ी लगा सकेगी पुलिस एक जुलाई से लागू किए गए तीन नए कानूनों को लाने का खास मकसद अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे आउटडेटेड नियम कायदों को हटाना और उनकी जगह आज की जरूरत के मुताबिक कानून लागू करना है। इसके अलावा पुलिस कुछ आरोपियों को हथकड़ी लगाकर भी गिरफ्तार कर सकती है। नए कानूनों में किया गया है प्रावधान सुप्रीम कोर्ट ने 1980 में प्रेम शंकर शुक्ला बनाम दिल्ली सरकार मामले में फैसला सुनाते हुए हथकड़ी के इस्तेमाल को अनुच्छेद 21 के तहत असंवैधानिक करार दिया था। अपने फैसले में कोर्ट ने कहा था कि यदि किसी कैदी को हथकड़ी लगाने की जरूरत महसूस होती है तो उसका कारण दर्ज करना होगा और मजिस्ट्रेट से अनुमति लेनी होगी। अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 43 (3) में गिरफ्तारी या अदालत में पेश करते समय कैदी को हथकड़ी लगाने का प्रावधान किया गया है।

रूस के पहले डिप्टी पीएम ने की नरेंद्र मोदी की अगवानी, चीन के लिए क्या है संकेत ?

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस के दौरे पर हैं। रूस की राजधानी मॉस्को पहुंचने पर सोमवार वनुकोवो अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत हुआ और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। पीएम मोदी की दो दिवसीय रूस यात्रा के कार्यक्रम में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ रात्रिभोज, भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत और 22वां भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन शामिल है, जहां दोनों देशों के नेता वैश्विक हित के कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे। ऐसे में जिस बात ने दुनिया के लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है, वह यह कि रूस आगमन के दौरान पीएम मोदी को दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर और उनका वहां हुआ भव्य स्वागत। पीएम मोदी का स्वागत रूस के पहले उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव ने किया। वह भारतीय पीएम के साथ हवाई अड्डे से होटल तक एक ही कार में गए। विशेष रूप से, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की हाल की रूस यात्रा पर रूसी उप प्रधानमंत्री ने उनका स्वागत किया था, जो पहले उप प्रधानमंत्री के साथ वरिष्ठता के क्रम में दूसरे स्थान पर हैं। यानी ये पहला मौका था जब रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने किसी विदेशी शासनाध्यक्ष के लिए देश के हवाई अड्डे पर उनकी अगवानी के लिए देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री को भेजा हो। राष्ट्रपति पुतिन के ठीक नीचे रूस के सर्वोच्च पदस्थ लीडर द्वारा भारतीय प्रधानमंत्री का रेड-कार्पेट वेलकम का यह भाव, इस बात का स्पष्ट संदेश देता है कि रूस भारत के साथ अपने संबंधों को कितना महत्व देता है। भारत और रूस के संबंधों ने अतीत में कई तूफानों का सामना किया है, उसके बाद भी दोनों देशों के बीच दोस्ती पहले से कहीं अधिक बेहतर और मजबूत हुई है। आर्थिक मोर्चे पर बात करें तो रूस दशकों से भारत का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता रहा है। यूक्रेन के साथ अपने सैन्य संघर्ष के बाद, भारत रियायती रूसी तेल के सबसे बड़े खरीदारों में से एक बना रहा, जिससे उसकी कमाई और राजस्व में वृद्धि हुई। जहां भारत और रूस 22वें वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा ले रहे हैं, वहीं चीनी समेत विश्व मीडिया की नजरें बैठक के नतीजे और निष्कर्ष पर टिकी रहेंगी। ऐसे में रूस में भारतीय प्रधानमंत्री का इतना भव्य स्वागत इस बात को दोहराता है कि वह तेजी से बदल रहे वैश्विक परिदृश्य में भारत के साथ अपने संबंधों में कितना महत्व देता है और उसमें विश्वास रखता है। भारत ने हाल ही में पश्चिमी शक्तियों के साथ अपने रक्षा संबंधों में विविधता लाई है, ऐसे में यह भी उम्मीद है कि वह हथियारों के आयात के लिए एक देश पर निर्भर नहीं रहेगा।

ई-वाहन नीति समाप्त वाहन खरीदारों को नहीं मिलेगी छूट, नीति को आगे बढ़ाने या नई लागू करने पर स्थिति स्पष्ट नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी में इलेक्ट्रिक वाहन खरीदारों के लिए समस्या खड़ी हो गई है। मौजूदा ई-वाहन नीति की वैधता 30 जून को समाप्त हो चुकी है। इससे दिल्ली में एक जुलाई से पंजीकृत होने वाले नए ई-वाहनों को अब छूट का फायदा नहीं मिल रहा है। राजधानी में इलेक्ट्रिक वाहन खरीदारों के लिए समस्या खड़ी हो गई है। मौजूदा ई-वाहन नीति की वैधता 30 जून को समाप्त हो चुकी है। इससे दिल्ली में एक जुलाई से पंजीकृत होने वाले नए ई-वाहनों को अब छूट का फायदा नहीं मिल रहा है। फिलहाल मौजूदा नीति को आगे बढ़ाने या नई लागू करने के मसले पर परिवहन विभाग के अधिकारी कुछ बोल नहीं रहे हैं। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मौजूदा ई-वाहन नीति बीते साल 8 अगस्त समाप्त हो चुकी है। उसके बाद से इसे चार बार विस्तार दिया गया। अंतिम बार इस साल मार्च से तीन माह के लिए 30 जून तक का विस्तार मिला था। 31 दिसंबर 2023 तक वाहन खरीदारों को छूट मिला, लेकिन इस साल एक जनवरी से ई-

वाहन खरीदारों को छूट की राशि नहीं दी जा सकी है। अधिकारियों ने बताया कि तकनीकी दिक्कतों के कारण लोगों को छूट की राशि नहीं दी जा सकी है। हालांकि इसे ठीक कर लिया गया है। लेकिन मौजूदा समय में 30 जून को समाप्त हो चुकी नीति के बाद अब ई-वाहन खरीद पर कोई छूट नहीं मिल सकेगा। अधिकारियों ने बताया कि मौजूदा वाहन नीति को विस्तार दिया जा सकता है, लेकिन वित्तीय लेन-देन लागू होने के कारण कैबिनेट मंजूरी जरूरी है। मुख्यमंत्री के जेल में होने के कारण बिना कैबिनेट के नीति को विस्तार नहीं दिया जा सकता है। बता दें कि राजधानी में कुल पंजीकृत होने वाले नए वाहनों में 11 फीसदी से अधिक ई-वाहन हैं। इनमें दोपहिया वाहनों की संख्या सबसे अधिक है। नीति के तहत दो पहिया वाहनों पर 5000 रुपये प्रति किलोवाट (बैट्री क्षमता) के हिसाब से अधिकतम 10 हजार रुपये की छूट, ई-रिक्शा, ई-ऑटो पर 30 हजार रुपये की छूट दी जाती है।

पेरिस ओलंपिक

अभिनव बिंद्रा ने मौजूदा समय के खिलाड़ियों के लिए कही अहम बात

भारतीय दल को दी ये सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक का आयोजन कुछ ही दिनों में होना है और इसके लिए भारत सहित इसमे हिस्सा लेने वाले सभी देश के एथलीट पूरी तरह तैयार हैं। इस बीच, 2008 बीजिंग ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले निशानेबाद अभिनव बिंद्रा ने अपने समय के खिलाड़ियों की तुलना मौजूदा दौर के खिलाड़ियों से करते हुए बड़ी बात कही है।

भारत के पहले व्यक्तिगत स्पर्धा के ओलंपिक चैंपियन बिंद्रा का मानना है कि खिलाड़ियों की मौजूदा पीढ़ी उनके समय के कमजोर दिल वाले खिलाड़ियों की तुलना में अधिक मजबूत है।

जमीनी स्तर पर काम करने की जरूरत

बिंद्रा ने कहा कि भारत को 30-40 ओलंपिक पदक जीतने का सपना देखना शुरू करने के लिए जमीनी स्तर पर बहुत काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हमें खेल को अलग तरह से देखना शुरू करना होगा। वर्तमान में हम यह देख रहे हैं कि विश्व स्तर पर एथलीट कैसा प्रदर्शन कर रहे हैं। यह हमें मजबूती देता है। हमें राष्ट्र निर्माण में खेल की बड़ी भूमिका को देखने की जरूरत है।

बीजिंग ओलंपिक में निशानेबाजी में स्वर्ण पदक जीतने वाले बिंद्रा ने 26 जुलाई से शुरू होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए देश की तैयारियों पर आयोजित एक पैनल चर्चा के दौरान भारतीय दल को सलाह दी कि वे अतीत या भविष्य के बारे में सोचने की गलती न करें। भारत के लगभग 125 खिलाड़ियों ने इन खेलों के लिए क्वालिफाई कर लिया है, जो देश के इतिहास में सबसे ज्यादा है। उन्होंने कहा, एथलीटों की सबसे बड़ी गलती यह है कि वे या तो अतीत में जीते हैं या भविष्य के बारे में सोच रहे हैं। वे इस वास्तविकता के बारे में भूल जाते हैं मौजूदा समय की अहमियत सबसे ज्यादा है।

मौजूदा दौर के खिलाड़ियों का आत्मविश्वास अधिक है

बिंद्रा ने कहा, मैं एक ऐसी पीढ़ी से आया हूं जो स्वभाव से कमजोर दिल वाली थी। आज के दौर के खिलाड़ियों का आत्मविश्वास कहीं अधिक है। वे इन खेलों में सिर्फ हिस्सा लेना नहीं बल्कि पदक जीतना चाहते हैं। ये खिलाड़ी कोई और पदक नहीं बल्कि स्वर्ण पदक जीतना चाहते है। यह हमारे समाज का प्रतिबिंब है कि पिछले कुछ वर्षों में यह कैसे विकसित हुआ है।

इस 41 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि खेलों को देखने और उसके बारे में बात करने का तरीका बदल गया है लेकिन जिस चीज में बदलाव नहीं आया है वह है एथलीटों को मिलने वाली कड़ी प्रतिस्पर्धा। बिंद्रा ने कहा, अब अलग तरह से बातचीत होती है। उसमें हालांकि कई समानताएं है, उन्हें पेरिस में अपना दमखम दिखाना होगा और उस विशेष दिन पर प्रदर्शन करना होगा।

यह किसी भी तरह से आसान नहीं होने वाला है। उन्हें दबाव झेलना सीखना होगा। वर्षों से सीखी गई प्रक्रिया, अपने कौशल को खेल में उतारने पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

अढ़ाई महीने बाद मैदान पर दिखेंगे विराट, रोहित और बुमराह

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और चैम्पियन बल्लेबाज विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह को अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला से आराम दिया जा सकता है। बीसीसीआई उनकी जगह केएल राहुल या हार्दिक पंड्या को इस प्रारूप में कप्तानी देने पर विचार कर रहा है। समझा जाता है कि रोहित और विराट ने बीसीसीआई से लंबा ब्रेक मांगा है चूंकि दोनों आईपीएल की शुरूआत से लगातार खेल रहे हैं। 37 बरस के रोहित ने 6 महीने से ब्रेक नहीं लिया है। उन्होंने दिसंबर-जनवरी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से लगातार खेला है। उसके बाद अफगानिस्तान के खिलाफ टी20, इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला, आईपीएल और टी20 विश्व कप शामिल है।

बोर्ड के एक सूत्र ने बताया कि चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले इंग्लैंड के खिलाफ 3 वनडे तैयारी के लिए काफी है। इसके बाद अगले कुछ महीने दोनों टेस्ट को प्राथमिकता देंगे क्योंकि भारत को सितंबर से जनवरी के बीच दस टेस्ट खेलने हैं। भारतीय टीम अभी जिमबाब्वे के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेल रही है। इसके बाद श्रीलंका से तीन टी20 और तीन वनडे होने हैं। अब जब तीनों प्लेयर इसमें हिस्सा नहीं लेंगे तो यह बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले दो टेस्ट मैचों की सीरीज के दौरान दिखेंगे। यह सीरीज 19 सितंबर से शुरू होगी। ऐसे में भारतीय चैंपियन प्लेयर अढ़ाई महीने बाद ही क्रिकेट मैदान पर लौटते दिखेंगे।

इस बीच, भारतीय बोर्ड जल्द ही टीम के सहयोगी स्टाफ के लिए आवेदन आमंत्रित करेगा क्योंकि बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़, गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे और क्षेत्ररक्षण कोच टी दिलीप का कार्यकाल अमेरिका और वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप के बाद समाप्त हो गया है। बोर्ड की क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) पहले ही मुख्य कोच पद के लिए दो उम्मीदवारों - गौतम गंभीर और डब्ल्यूवी रमन का साक्षात्कार ले चुकी है।

चैम्पियंस ट्रॉफीः 2024 शेड्यूल

भारत-पाकिस्तान एक ग्रुप में...

नईदिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने पिछले ही महीने टी20 वर्ल्ड कप 2024 खिताब जीतकर इतिहास रचा है. अब टीम इंडिया का अगला मिशन चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 है. मगर इस टूर्नामेंट को लेकर एक पेंच फंसता दिखाई दे रहा है. यह चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 पाकिस्तान की मेजबानी में होनी है. जबकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह पहले ही कह चुके हैं कि भारतीय टीम पाकिस्तान दौरे पर नहीं जाएगी. मगर इन सबके बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड अपनी तैयारियों में पूरी तन्मयता के साथ जुटा हुआ है.

चैम्पियंस ट्रॉफी का शेड्यूल मंजूरी से पहले वायरल

पाकिस्तान ने चैम्पियंस ट्रॉफी का शेड्यूल भी तैयार कर लिया है. साथ ही इस शेड्यूल को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल और इसके सदस्य देशों को मंजूरी के लिए भेजा है. सब जगह से हरी झंडी मिलने के बाद इसे जारी किया जाएगा. मगर उससे पहले ही यह शेड्यूल वायरल हो गया है.

ब्रिटेन के एक अखबार छाप दिया है. इसके मुताबिक, चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज कराची में 19 फरवरी को होगा. ओपनिंग मुकाबला पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा. साथ ही शेड्यूल के मुताबिक, भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया है.

भारत- पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया

टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें होंगी, जिन्हें 2 ग्रुप में रखा गया है. भारत, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश को एक साथ ग्रुप-ए में रखा गया है. जबकि अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड को ग्रुप -बी में रखा गया है. चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल समेत सभी मैच 19 दिन में होंगे.

वायरल शेड्यूल के मुताबिक, भारतीय टीम अपने सभी मुकाबले लाहौर में ही खेलेगी. टीम का पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश और दूसरा मैच 23 फरवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ होगा. जबकि भारतीय टीम को अपना तीसरा और ग्रुप स्टेज का आखिरी मैच पाकिस्तान के खिलाफ 1 मार्च को खेलना है.

भारत के लिए सेमीफाइनल भी शिफ्ट किया जाएगा

चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले 5 और 6 मार्च को खेले जाएंगे. जबकि 19 मार्च को खिताबी टक्कर होनी है. यह सेमीफाइनल मुकाबले कराची और रावलपिंडी में होने हैं. मगर भारतीय टीम टॉप-4 में पहुंचती है, तो वो अपना सेमीफाइनल लाहौर में ही खेलेगी. भारतीय टीम के लिए सेमीफाइनल शिफ्ट कर दिया जाएगा.

भारतीय ओलंपिक दल को गौतम अदाणी ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय दल को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि इस बार भारत अपने इतिहास में सबसे ज्यादा पदक जीतने का लक्ष्य हासिल करेगा।

उन्होंने एक्स पर लिखा कि हम 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए तैयार हैं। मैं उन असाधारण खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देता हूं, जो विश्व के सबसे बड़े खेल मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। उनका लगातार अभ्यास और अटूट समर्पण वास्तव में भारत की नई अजेय भावना का प्रतीक है। मुझे पूरा विश्वास है कि इस बार हम अपने इतिहास में सबसे ज्यादा पदक जीतने का लक्ष्य हासिल कर लेंगे। अदाणी ग्रुप के अध्यक्ष ने आगे कहा कि हम सब मिलकर अपने चैंपियनों की हौसला अफजाई करेंगे और ओलंपिक में देश के गीत की गूंज का बेसब्री से इंतजार करेंगे। जय हिंद। अदाणी ग्रुप भारतीय ओलंपिक टीम का प्रमुख स्पॉन्सर है। अदाणी स्पोर्टलाइन ने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों, 2023 एशियाई खेलों और आगामी 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए प्रमुख स्पॉन्सर के रूप में भारतीय टीम के साथ साझेदारी की है।

भारत पेरिस ओलंपिक के लिए लगभग 120 एथलीटों का दल भेजेगा। इस दल में भारत के पुरुष भाला फेंक स्टार खिलाड़ी और डिफेंडिंग चैंपियन नीरज चोपड़ा के नेतृत्व वाली एथलेटिक्स टीम के अलावा 21 सदस्यीय निशानेबाजी टीम और 16 सदस्यीय पुरुष हॉकी टीम शामिल है। पिछले हफ्ते, भारतीय दल के सदस्यों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी।

प्रधानमंत्री ने उनकी हौसला अफजाई की थी और फ्रांस जाने से पहले उन्हें मार्गदर्शन दिया। भारत ने बार-बार खेलों की मेजबानी करने की इच्छा जताई है और इस मामले में भारत को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति प्रमुख थॉमस बाख का समर्थन प्राप्त हुआ है। भारत 2036 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक की मेजबानी के लिए बोली लगाएगा।

विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में जोकोविच, एलेक्स की होगी टक्कर

लंदन, एजेंसी। नोवाक जोकोविच ने डेनमार्क के होल्गर रूण को 6-3, 6-4, 6-2 से हराकर अपने 15वें विंबलडन क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अब उनका मुकाबला बुधवार को एलेक्स डी मिनौर से होगा। जोकोविच मैच में फैंस की हूटिंग से नाराज दिखे और कहा कि इस तरह के व्यवहार को वह स्वीकार नहीं करते हैं। जोकोविच को रूण ने पिछले कई मुकाबले में बैकफुट पर धकेल दिया था, जिसमें 2022 में पेरिस मास्टर्स फाइनल सहित कई अन्य मैच शामिल हैं।

मैच के बाद जोकोविच ने अपनी जीत पर बात की और कहा कि जिन लोगों ने उनको सम्मान दिया और टिकट लेकर मैच देखने आए और देर रात तक बैठकर टेनिस के प्रति अपने प्यार को दिखाया, उनको दिल से शुक्रिया। साथ ही, उन्होंने हूटिंग कर रहे लोगों की आलोचना की और कहा कि इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। जोकोविच ने कहा, मुझे नहीं पता कि वे रूण के समर्थन में नारे लगा रहे थे, पर यह भी हूटिंग का एक बहाना है। मैं इसे स्वीकार नहीं करता हूं।

पेरिस ओलंपिक 2024

वो भारतीय पहलवान... जिसने घर गिरवी रखकर ओलंपिक में लिया भाग, फिर रचा इतिहास

नईदिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक 2024 की शुरुआत में अब ज्यादा समय नहीं बचा है. पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त तक खेला जाना है. इस ओलंपिक के लिए भारतीय खिलाड़ी भी अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं. भारत ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में एक स्वर्ण सहित 7 पदक जीतकर इन खेलों में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था. अब इस बार वो अपने रिकॉर्ड में सुधार करना चाहेगा.

इस भारतीय रेसलर ने रचा था इतिहास

देखा जाए ओलंपिक में अब तक भारत ने 10 गोल्ड, 9 सिल्वर और 16 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं. इन 10 में से आठ गोल्ड तो फील्ड हॉकी में आए, लेकिन फिर भी चर्चा उस पदक की होती है जिसे केडी जाधव ने हासिल किया. केडी जाधव ओलंपिक की व्यक्तिगत स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी थे. जाधव ने 1952 के हेलसिंकी ओलंपिक में कुश्ती में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था. जाधव से पहले 1900 के ग्रीस ओलंपिक में नॉर्मन प्रिचर्ड ने दो सिल्वर मेडल जीते थे, लेकिन वे भारतीय मूल के नहीं थे. भारत तब अंग्रेजों के गुलाम था और प्रिचर्ड ने ब्रिटिश झंडे के तहत ओलंपिक में भाग लिया था. खाशाबा दादासाहेब जाधव का जन्म साल 1926 में महाराष्ट्र के सतारा जिले में एक मराठी परिवार में हुआ था. उनके पिता दादासाहेब खुद भी पहलवान थे और महज 5 साल की उम्र में ही उन्होंने अपने बेटे को कुश्ती से परिचित करवा दिया. छोटे कद के जाधव ऊपर से देखने में बेहद कमजोर दिखाई देते थे. जिसके चलते राजाराम कॉलेज के स्पोर्ट्स टीचर ने उन्हें वार्षिक खेलों की टीम में शामिल करने से इंकार कर दिया. बाद में काफी मिन्नतों के बाद कॉलेज के प्रिंसिपल ने उन्हें प्रतियोगिता में भाग लेने की इजाजत दे दी थी.

...जब गिरवी पर रखना पड़ा घर

लंदन से वापस लौटते ही जाधव ने हेलसिंकी ओलंपिक की तैयारी शुरू कर दी. हालांकि जब हेलसिंकी जाने का समय आया तो उनके पास पैसे ही नहीं थे. जाधव ने बॉम्बे स्टेट के तत्कालीन मुख्यमंत्री मोरारजी देसाई से मिलकर मदद की गुहार लगाई. देसाई ने उन्हें खेलकर लौटने के बाद मिलने को कहा. राजाराम कॉलेज में उनके प्रिंसिपल खरिडकर ने सात हजार रुपये की मदद दी. बाद में राज्य सरकार ने भी 4000 रुपये दे दिए, लेकिन ये रकम काफी नहीं थे. फिर जाधव ने अपना घर गिरवी रखकर और कई लोगों से उधार लेकर हेलसिंकी का सफर तय किया.

केडी जाधव ने बैंटमवेट फ्रीस्टाइल वर्ग में अपने पहले 5 मुकाबले आसानी से जीत लिए.

3 किमी दूर से पानी लाने को मजबूर भारतीय महिला हॉकी कप्तान सलीमा टेटे

घर का वादा भी सरकार ने नहीं किया पूरा

नईदिल्ली, एजेंसी। इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक से पहले ही भारतीय महिला हॉकी टीम काफी सुर्खियों में रही है. सबसे पहले यह टीम जनवरी में चर्चाओं में आई थी, जब वो क्वालिफाइंग राउंड में हारकर बाहर हुई थी. यानी भारतीय महिला हॉकी टीम अब पेरिस ओलंपिक में नजर नहीं आएगी, क्योंकि वो क्वालिफाई नहीं कर सकी है. अब भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे सुर्खियों में बनी हुई हैं. वो अपने खेल के बाद अब घरेलू स्ट्रगल को लेकर सुर्खियों में हैं. सलीमा को इसी साल 2 मई को ही सविता पूनिया की जगह कप्तान बनाया गया. सलीमा झारखंड में राजधानी रांची से करीब 165 किमी दूर रहती हैं. वो सिमडेगा जिले के एक छोटे से गांव बड़की छापर की रहने वाली हैं.

परिवार 3 किलोमीटर दूर से पानी लाने को मजबूर

सलीमा के परिवार के पास साफ पानी का भी पर्याप्त साधन नहीं है. घर पर माता-पिता के अलावा दो बहन हैं जिन्होंने लगातार कड़े संघर्ष के जरिए उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है. सलीमा के पिता सुलक्षण टेटे भी हॉकी खेलते थे, जहां से उन्हें इस खेल के बारे में पता चला. लेकिन नेशनल टीम का कप्तान बनने के बाद भी उनका परिवार 3 किलोमीटर दूर से पानी लाने को मजबूर है. साथ ही अभी तक सरकार ने उन्हें घर देने का अपना वादा भी पूरा नहीं किया है.

सलीमा को नेशनल लेवल तक पहुंचाने में उसकी मां ने रसोइया और बड़ी बहन ने दूसरों के घरों में बर्तन तक मांजने का काम किया है. सलीमा ने कहा कि जब वो गांव जाती हैं तो उन्हें भी 3 किमी दूर से पानी लाना पड़ता है. सलीमा की मां सुबानी टेटे गांव के ही सरकारी स्कूल में रसोइया हैं. सुबह उठकर सबसे पहले वे पानी लाने जाती हैं. फिर दोपहर और शाम को भी पानी लाना पड़ता है. किसी दिन मेहमान के आ जाने पर थोड़ी और मेहनत करनी पड़ती है. हालत ऐसी है कि उनके परिवार को दिन में 2 से 3 बार पानी भरने के लिए कई किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता है.

सलीमा ने कहा, मेरे माता-पिता आज भी पीने का पानी लाने के लिए घर से बहुत दूर जाते हैं. गांव में होने पर मैं भी ऐसे ही पानी लाती हूं. गांव में मोबाइल नेटवर्क जीरो है. बमुश्किल ही परिजनों से बात कर पाती हूं. गांव में चापाकल है, पानी की सरकारी टंकी भी है लेकिन पानी ऐसा कि आप पी नहीं सकते.

अब भी घर मिलने का इंतजार कर रहीं कप्तान

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा इस वक्त बेंगलुरु में भारतीय टीम के साथ प्रैक्टिस कर रही हैं. टोक्यो ओलंपिक के बाद राज्य सरकार ने उन्हें घर देने का वादा किया था. पर वे बताती हैं कि उन्हें आज तक घर का इंतजार है. सलीमा ने कहा, आज तक मैं इंतजार में ही हूं. मेरे गांव वाले भी पीने के पानी की सुविधा, अच्छी सड़क, बिजली, मोबाइल टावर, पीएम आवास सब डिजर्व करते हैं. हमें जात-पात का नहीं देखना चाहिए, हम सारे एक हैं. पर मेरे गांव में क्रिश्चियंस के साथ भेदभाव हो रहा है. उन्हें पीएम आवास नहीं मिल रहा.

कलेक्टर ने टीएल बैठक में समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश

पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को साप्ताहिक समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक हुई। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई टीएल बैठक में अधिकारियों को शासन के निर्देशानुसार विभागीय गतिविधियों का प्राथमिकता के साथ बेहतर तरीके से क्रियान्वयन कर हितग्रामूलक योजनाओं में पात्र हितग्राहियों को समय-सीमा में लाभांवित करने के निर्देश दिए। इस मौके पर कलेक्टर ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के पत्रों व मांग अनुसार भी समयावधि में प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। इस दौरान न्यायालयीन प्रकरणों में अवमानना याचिका के जवाब प्रस्तुत करने सहित गेहूं, मसूर व सरसों उपार्जन उपरांत परिवहन, भंडारण व किसानों को राशि भुगतान की अद्यतन स्थिति, अनुपयोगी बोरवेल को बंद करने संबंधी कार्यवाही और राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के लंबित प्रकरणों में की गई कार्यवाही की जानकारी भी ली गई। इसके अतिरिक्त केन-बेतवा लिंक परियोजना के तहत पन्ना व

गुनौर तहसील के आठ ग्रामों में प्रभावितों के मुआवजा वितरण तथा पन्ना-सतना रेल लाइन अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यों के बारे में जानकारी लेकर वांछित कार्यवाहियों के संबंध में निर्देशित किया गया। कलेक्टर ने सभी तहसीलदार को पटवारी एवं आरआई के माध्यम से व्यवस्थित तरीके से सीमांकन व पंचनामा कार्यवाही सुनिश्चित कराने के लिए निर्देशित किया। इस कार्य में लापरवाही बरतने पर सख्त कार्यवाही की चेतावनी भी दी। उन्होंने पुराने महेन्द्र भवन में संचालित शासकीय कार्यालयों की सामग्री का अविलंब उठाव कर भवन रिक्त करने की सूचना देने, समग्र भूमि ई-केवायसी कार्य, नालों से अतिक्रमण हटाने के लिए आवश्यक चिन्हांकन कार्य, जल गंगा संवर्धन अभियान की गतिविधियों को निरंतर जारी रखने और पूर्ण कार्यों के संरक्षण, आपदा प्रबंधन से बचाव की आवश्यक कार्यवाही, बीज उपलब्धता, महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए वन भूमि के हस्तांतरण और प्रभावित वन भूमि के बदले राजस्व भूमि उपलब्ध कराने तथा कॉलेज चलो हम अभियान के संबंध में भी चर्चा की। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के संबंध में निर्देश कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को सभी शैक्षणिक संस्थाओं में समय पर शिक्षकों की उपस्थिति और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। इसके अलावा शालाओं के पर्यवेक्षण कार्य के लिए अधिकारियों को ड्यूटी निर्धारित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि यह प्रयास किया जाए कि शालाओं में रूचिकर गतिविधियों के जरिए अध्ययन कार्य सुनिश्चित हो। कलेक्टर ने स्कूल की जमीन से अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने के निर्देश भी दिए। साथ ही छात्रवृत्ति वितरण की जानकारी लेकर पात्र विद्यार्थियों को अविलंब शत प्रतिशत छात्रवृत्ति वितरण सुनिश्चित कराने के संबंध में निर्देशित किया। द्वितीय चरण में स्वीकृत सीएम राइज स्कूल भवन के लिए जमीन आवंटन संबंधी कार्यवाही के निर्देश भी दिए। शासकीय कार्यालयों में समय पर सुनिश्चित हो उपस्थिति कलेक्टर ने कहा कि शासन के निर्देशानुसार सभी विभाग प्रमुख निर्धारित समय पर कार्यालयों में शासकीय सेवकों की उपस्थिति सुनिश्चित कराएं। अधीनस्थ लोकसेवकों को समय पालन के लिए पाबंद कर अनिवार्य रूप से निर्धारित समयावधि में कार्यालयों में उपस्थित रहने के लिए निर्देश दिए। लापरवाही पर नियमानुसार कार्यवाही के लिए निर्देशित भी किया। उन्होंने पशुओं के टीकाकरण और निराश्रित गौवंश की निकटतम गौशाला में शिफ्टिंग सहित टीएल, जनसुनवाई, सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत सेवाओं की समय पर उपलब्धता तथा प्रत्येक मंगलवार को ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई व्यवस्था को प्रभावी व सुदृढ़ करने के संबंध में निर्देशित किया। इसी तरह शासकीय व निजी संस्थाओं में लैंगिक उत्पीड़न निवारण समिति के गठन व नए निर्देशों के तहत पालन सुनिश्चित कराने के लिए कहा। साथ ही जनहित संबंधी कार्यों के लिए सीएसआर फंड से राशि के उपयोग व विभागवार आवश्यक कार्यों के लिए जरूरी प्रस्ताव समय पर प्रेषित करने के लिए निर्देशित किया गया। बैठक में जिला पंचायत सीईओ संघ प्रिय, अतिरिक्त सीईओ अशोक चतुर्वेदी, अपर कलेक्टर नीलाम्बर मिश्र, एसडीएम संजय नागवंशी सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मडला में वाहनो से डीजल चोरी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

पन्ना। मडला थाना मुख्यालय क्षेत्र में कृष्णा होम स्टे के पास खड़े ट्रको से रात के समय में डीजल की चोरी, चोरो द्वारा लगातार की जा रही थी। जिसकी सिकायत वाहन चालको द्वारा मडला थाना में की गई थी। मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस ने तीन आरोपीयों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार फरियादी सुरेन्द्र पाल पिता पूरन पाल उम्र 28 वर्ष निवासी-मडला द्वारा पुलिस को रिपोर्ट में बताया गया कि मैं ट्रक ड्रायवरी का काम करता हूँ। दिनांक 22/06/24 को रात के समय मैं ट्रक को मडला में कृष्णा होम स्टे के थोड़ा आगे खड़ा करके घर चला गया था। अगले दिन जब सुबह मैं वापस ट्रक लेने आया तो देखा कि ट्रक के डीजल टैंक का ढक्कन खुला था, मुझे संदेह हुआ तो मैने डीजल चेक किया जो करीब 150 लीटर डीजल कम था। कोई अज्ञात चोर रात के समय मेरे ट्रक से करीब 150 लीटर डीजल चोरी कर ले गया है। फरियादी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध थाना मडला में अप.क्र. 57/24 धारा 379 भादवि का कायम किया जाकर विवेचना में लिया गया। तत्पश्चात्

पुलिस ने तीन आरोपीयों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी किये गये डीजल को बेचने से मिले 5 हजार रूपये नगद, 40 लीटर डीजल, घटना में प्रयुक्त डिजायर कार सहित डीजल निकालने वाला समान बरामद किया। उक्त सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी मडला उनि ए.पी. सिंह बघेल, प्रभारी सायबर सेल उनि अनिल सिंह राजपूत, सउनि बिन्दावन प्रजापति, प्र.आर. आजम खान, आर. बृजेन्द्र रैकवार, अंगराज पटेल एवं पुलिस सायबर सेल टीम की सराहनीय भूमिका रही है।

रैपुरा में सर्वाधिक वर्षा दर्ज

पन्ना। पन्ना जिले में इस वर्ष एक जून से अब तक 160.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। गत वर्ष उक्त अवधि में 215.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई थी। अधीक्षक भू-अभिलेख कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार अब तक वर्षामापी केन्द्र रैपुरा में सर्वाधिक 248.3 मिमी और पवई में सबसे कम 102 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जबकि पन्ना में 176.7 मिमी, देवेन्द्रनगर में 158.2 मिमी, गुनौर में 122.8 मिमी, अमानगंज में 139.2 मिमी, सिमरिया में 181.3 मिमी, शाहनगर में 143.7 मिमी और अजयगढ़ में 169.8 मिमी कुल वर्षा दर्ज की गई।

ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई में लापरवाही बरतने पर होगी कार्यवाही

पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार के निर्देशन में प्रत्येक मंगलवार को ग्राम पंचायत स्तर पर शुरू हुई जनसुनवाई के लिए सभी विभाग प्रमुखों को पूर्व में आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए थे, जिसके तहत जिला कलेक्टर द्वारा आज संपन्न हुई टीएल बैठक में भी सभी विभागीय अधिकारियों को जनसुनवाई के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर श्री कुमार ने बताया कि सुशासन व्यवस्था के बेहतर क्रियान्वयन के लिए गांव-गांव तक आमजनों की समस्याओं के तत्काल निराकरण तथा सेवाओं की सुलभ उपलब्धता के उद्देश्य से ग्राम पंचायत स्तर पर जनसुनवाई की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इस संबंध में ग्रामीणजनों की समस्याओं के निराकरण के लिए आवेदन प्राप्त करने और पारदर्शिता के साथ शिकायत निवारण के लिए सभी लोकसेवकों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। इसके बावजूद लापरवाही बरतने वाले अथवा अनुपस्थित लोकसेवकों के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। पर्यवेक्षण अधिकारियों को व्यवस्थाओं की मॉनीटरिंग के लिए निर्देशित किया गया है। सभी ग्रामवासियों से समस्याओं के निराकरण के लिए ग्राम पंचायत में सुबह 11 बजे से 1 बजे तक आयोजित जनसुनवाई में उपस्थित होने की अपील की गई है।

छोटे सिक्को को व्यापारियों द्वारा चलन से बाहर करने को लेकर अपर कलेक्टर को सौपा ज्ञापन

पन्ना। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत जिला पन्ना के अध्यक्ष मुकेश विश्वकर्मा के नेत्रत्व में छोटे सिक्के व्यापारीयों द्वारा नही लिये जाने के मुद्दे को लेकर ज्ञापन सौपा है। उक्त ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि भारत सरकार तथा सभी वित्तीय संस्थाओ द्वारा सभी प्रकार के सिक्को को चलन मे लिया गया है तथा किसी प्रकार के सिक्के बंद नहीं है। उसके बावजूद पन्ना जिला सहित आस पास के जिलो मे छोटे सिक्के आम व्यापारीयो तथा अन्य लोगो के द्वारा नही लिये जा रहें है। जो कि बहुत बड़ा अपराध है। क्योकि किसी भी प्रकार की मुद्रा का अनादर बिना भारत सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देश के बिना नही कर सकते है। उक्त मामले को लेकर ग्राहक पंचायत

द्वारा ज्ञापन देते हुए कहा कि व्यापारी व बैंक संस्थाओं द्वारा सिक्के न लेने के कारण मुद्रा की बर्बादी, कालाबाजारी व महंगाई वृद्धि जैसी समस्याओं का सामना ग्राहकों को करना पड़ रहा है। ग्राहक पंचायत द्वारा इस विषय हेतु 4 महीनों से पूरे संभाग में निरंतर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। पन्ना जिले में 1 और 2 रूपये के सिक्के प्रचलन में न होने की वजह से आम आदमी को इसके दुष्परिणाम भुगतने पड़ रहे हैं। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत पन्ना द्वारा प्रशासन से या मांग की गई कि बैंकों,नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत और ग्राम पंचायत में विभिन्न प्रचार प्रसार के माध्यम से जन जागरूकता लाने का प्रयास किया जाए, पन्ना नगर में स्पीकर के माध्यम से ऐलान मुनादी कराई जाये तथा ज्ञापन में प्रमुख रूप से अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रांत सह-संगठन मंत्री गौरव सिंह भदोरिया, जिला सचिव त्यागी फूल सिंह, संदीप पांडेय, जिला उपाध्यक्ष, चक्रेश जैन, विनोद जड़िया, आशु जैन, अजय द्विवेदी, मदन शर्मा, बद्री प्रसाद अनुरागी, लक्ष्मी नारायण चिरौलिया, बीरेंद्र यादव, केसरी सिंह सेंगर, स्वामी विजय मनोज कुमार प्रजापति, इलियास खान आदिल बेग, मनोज अनुरागी एवं अन्य समाज के वरिष्ठ लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

केन्द्रीय दिव्यांग छात्रवृत्ति के संबंध में निर्देश

पन्ना। भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्रालय द्वारा दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए संचालित प्री-मैट्रिक, पोस्ट मैट्रिक एवं टॉप क्लास छात्रवृत्ति के ऑनलाइन पंजीयन गत 30 जून से शुरू हो चुके हैं। राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2024 निर्धारित की गई है। इसी तरह आगामी 31 अक्टूबर तक पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन किया जा सकता है। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के उप संचालक अशोक कुमार चतुर्वेदी ने जिले के शैक्षणिक संस्था प्रमुखों से सर्वोच्च प्राथमिकता एवं शासन के निर्देशों के तहत अंतिम तिथि के पूर्व अधिकाधिक दिव्यांग विद्यार्थियों के आवेदन राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर कराने के लिए कहा है। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी, सभी शासकीय व अशासकीय महाविद्यालय सहित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान तथा शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के प्राचार्यों से छात्रवृत्ति के संबंध में निर्देशों का पालन करने की अपेक्षा की गई है, जिससे पात्र दिव्यांग विद्यार्थियों को नियमानुसार छात्रवृत्ति योजना का लाभ प्राप्त हो सके। शैक्षणिक संस्थानों के नोडल अधिकारियों से राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल की प्रक्रिया अनुसार आधार ऑथेंटीकेशन की कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए भी कहा गया है।

कलेक्टर ने आंवला का पौधा रोपित कर किया वृक्षारोपण महाअभियान का शुभारंभ

पन्ना

शासन के निर्देशानुसार पन्ना जिले में भी वर्षा ऋतु के दौरान वृहद स्तर पर वृक्षारोपण की कार्ययोजना निर्धारित की गई है। उद्यान विभाग सहित मुख्यत: वन, नगरीय विकास एवं आवास और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा वृक्षारोपण महाअभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा आज कलेक्ट्रेट परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर सुरेश कुमार ने

आंवला का पौधा रोपित कर वृक्षारोपण महाअभियान का शुभारंभ किया। इस मौके पर जिला प्रशासन के तत्वाधान में जिला पंचायत सीईओ संघ प्रिय, अतिरिक्त सीईओ अशोक चतुर्वेदी, अपर कलेक्टर नीलाम्बर मिश्र, सहायक संचालक उद्यानिकी पी.के. श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारियों ने भी पौधे रोपकर सुरक्षा का संकल्प लिया। पौधरोपण पश्चात वायुदूत एप में सेल्फी भी अपलोड की गई। एक पेड़ मां के नाम के संकल्प के साथ पौधे रोपित किए गए। कलेक्टर श्री कुमार ने इस अवसर पर आह्वान करते हुए कहा कि वृक्षारोपण को अपना सामाजिक और प्राकृतिक कर्त्तव्य मानकर पूरा करें। इस अभियान में हर व्यक्ति कम से कम एक पौधा अवश्य रोपित करे। किसान अपने खेतों की मेड़ पर फलदार और छायादार वृक्ष लगाएं। विद्यार्थी अपने शिक्षण संस्थान परिसर तथा घरों के आसपास पौधे रोपित करें। वायुदूत एप के माध्यम से व्यक्तिगत रूप से रोपित पौधों की जानकारी भी ऑनलाइन दर्ज करने की प्रक्रिया निर्धारित की गई है।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के लिए आवेदन आमंत्रित

पन्ना। उद्यानिकी विभाग द्वारा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना अंतर्गत कृषकों से अपने खेतों पर टपक सिंचाई, मिनी स्प्रिंकलर सिंचाई एवं स्प्रिंकलर सिंचाई संयंत्र स्थापित करने के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्राप्त आवेदनों में से प्रतिमाह भोपाल में संचालनालय द्वारा कृषकों का चयन ऑनलाइन लॉटरी के जरिए किया जाएगा। चयनित कृषकों को उद्यानिकी विभाग द्वारा समस्त वर्ग के लघु सीमांत कृषकों को इकाई लागत का 55 प्रतिशत और अन्य बड़े कृषकों को इकाई लागत का 45 प्रतिशत अनुदान प्रदान करने का प्रावधान है।

विभाग के सहायक संचालक पी.के. श्रीवास्तव ने बताया कि अटल भू जल योजना के तहत चयनित अजयगढ़ विकासखण्ड के किसानों को भी निर्धारित प्रावधान अंतर्गत अनुदान मिल सकेगा।

निजी सोनोग्राफी सेन्टरो में लुट रहे मरीज

हजारो रूपये लग रही फीस, युवक कांग्रेस अध्यक्ष ने उठाया मुद्दा, करेगें आन्दोलन

पन्ना

ठजिला अस्पताल पन्ना में रेडियोलॉजिस्ट चिकित्सक के अभाव में सोनोग्राफी मशीन शोपीस बनी हुई है जिसके चलते गरीब मजदूर और किसान वर्ग के मजदूरों को प्राइवेट सोनोग्राफी सेंटरों में सोनोग्राफी अल्ट्रासाउंड करवा कर 800 से 1000 रुपए तक का भुगतान करना पड़ रहा है। मामले में युवक कांग्रेस जिला अध्यक्ष स्वतंत्र प्रभाकर अवस्थी के द्वारा सवाल उठाते हुए कहा गया है कि जब जिला अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन उपलब्ध है तो

रेडियोलॉजिस्ट की नियुक्ति क्यों नहीं की जा रही क्या कमीशनखोरी के चक्कर में जानबूझकर रेडियोलॉजिस्ट की भर्ती नहीं की जा रही है। बताया जाता है कि जानमान कर अस्पताल प्रबंधन द्वारा इस दिशा मे कोई प्रयास इस लिए नही किये जा रहे क्योकि निजी सोनोग्राफी सेन्टरो से डॉक्टरो का कमीशन बंधा हुआ है। उक्त मामले को लेकर युवक कांग्रेस के जिला अध्यक्ष स्वंतत्र प्रभाकर अवस्थी ने कहा कि यदि पन्द्रह दिवस के अन्दर जिला चिकित्सालय की सोनोग्राफी मशीन प्रारंभ नही हुई तो आन्दोलन किया जायेगा। ज्ञात हो कि उक्त मामले को लेकर लगातार अनेक माध्यमो के द्वारा स्थानीय लोगो ने इस मुद्दे को उठाने का प्रयास किया लेकिन जिला प्रशासन तथा स्वास्थ विभाग द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है।

पन्ना टाइगर रिजर्व के मुख्य गेट के पास तेंदुआ की मौत से हड़कंप

पन्ना। पन्ना टाइगर रिजर्व के मुख्य गेट के पास तेंदुआ का संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलने से हड़कंप मच गया है, सूचना मिलते ही पन्ना टाइगर रिजर्व के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं और पंचनामा उपरांत शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल अधिकारी कुछ भी कहने से कतरा रहे हैं बताया गया है कि शव के पोस्टमार्टम उपरांत ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा, फिलहाल मौके पर पन्ना टाइगर रिजर्व मड़ला के रेंजर सहित काफी संख्या में पन्ना टाइगर रिजर्व का स्टाफ घटनास्थल के आसपास का बारीकी से निरीक्षण किया गया। लेकिन अभी यह स्पष्ट नही हुआ है तेंदुआ की मौत इस कारणो से हुई है। फिलहाल तेंदुआ का पीएम कराकर उसे जला दिया गया है।

पन्ना टाइगर रिजर्व के द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर होगी मिनी मैराथॉन दौड़

पन्ना। पन्ना टाइगर रिजर्व अन्तर्गत प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी अन्तर्राष्ट्रीय बाघ दिवस 29 जुलाई 2024 को मनाया जा रहा है। जिस हेतु दिनांक 29 जुलाई को सुबह 07.00 बजे से नजरबाग स्टेडियम में मिनी मैराथॉन का आयोजन किया जा रहा है, उपरोक्त मैराथॉन नजरबाग स्टेडियम से प्रारंभ होकर बी.टी.आई. चौक, ब्लाक तिराहा, डायमण्ड चौक, मोहन राज विलास चौराहा, पॉवर हाउस चौराहा, गांधीचौक, अम्बेटकर चौक (कोतवाली चौराहा) होते हुये वापस नजरबाग स्टेडियम में समाप्त होगी। उक्त मैराथॉन में किसी भी आयु वर्ग के महिला पुरुष भाग ले सकते है। मैराथॉन में दोनो श्रेणी महिला एवं पुरुष हेतु पृथक-पृथक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय आने वाले प्रतिभागियों को पुरूष्कार के रूप मे पांच हजार एक सौ रूपये, ईकतीस सौ रूपये एवं इक्कीस सौ रूपये के साथ ही चतुर्थ स्थान से दसवें स्थान तक सांत्वना पुरुस्कार के रूप मे प्रत्येक को पांच सौ रूपये का इनाम दिया जायेगा।

पुरी के बाद पन्ना की रथ यात्रा ऐतिहासिक, उमड़ा जन सैलाब

दूसरे दिन लखूरन से चौपड़ा पंहुची रथ यात्रा

पन्ना। पन्ना पवित्र धरा मंदिरों की भूमि है, कई रत्नों से परिपूर्ण यह भूमि है, वेद-शास्त्रों में इसका अद्भुत वर्णन, पन्ना एक तपोवन गुरुकुल भूमि है।'' जगन्नाथ पुरी के बाद बुंदेलखंड के पन्ना में ऐतिहासिक रथ यात्रा की परंपरा आज भी विद्यमान है, जिसमें नगर के ही नहीं पूरे जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से श्रद्धालुजन रथ यात्रा में सम्मिलित होते हैं। लगभग 175 वर्ष पुरानी यह रथ यात्रा हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है। मंदिरों और धर्म की नगरी से विख्यात पन्ना धर्म और हीरों की नगरी के नाम से भी जाना-पहचाना जाता है। इस दिशा में 07 जुलाई, 2024 को स्थानीय जगदीश स्वामी मंदिर से मुख्य रथ यात्रा अति उत्साह के साथ प्रारंभ हुई। रथ यात्रा के आगे-आगे बैंड बाजों की मधुर और प्रेरक धुन ''मेरे भगवान आये

हैं'' जिस रथ यात्रा महोत्सव को इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिन्ट मीडिया ने भी बड़े उत्साह के साथ नगर गुंजायमान हुआ। ऐतिहासिक रथ यात्रा का भक्ति-भाव के साथ लोगो द्वारा पूजन-अर्चन कर भाव-विभोर हुये तथा श्रद्धालुजनों ने भगवान जगन्नाथ स्वामी के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। ज्ञात हो की धर्म की नगरी से विख्यात पन्ना जहां श्री रामजानकी, श्री जुगलकिशोर, श्री बलदेव जी, श्री गोविन्द जी के भव्य और ऐतिहासिक मंदिरों के अतिरिक्त पन्ना के आस-पास विभिन्न ऐतिहासिक भव्य मंदिर हैं जहां साल भर जिले से बाहर के भी श्रद्धालुजन आते हैं और एक प्रकार से मंदिरों के यहां सालभर मेला सा लगा रहता है, इस दिशा में भण्डारे भी होते हैं। प्रकृति द्वारा प्रदत्त मनोरम स्थलों को भी लोग देखकर आनंदित होते हैं। कुल मिलाकर उस मालिक ने दिया है सब कुछ बुंदेलखंड के पन्ना में अर्थात वन-खनिज-संपदा से भरपूर है। तिवारी परिवान ने आरती उतारकर की पूजा अर्चना विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी शास्त्री भवन के सामने रथ यात्रा पंहुचने पर तिवारी परिवार द्वारा आरती उतारकर पूजा अर्चना की गई। संतोष तिवारी, राजीव तिवारी, अजय तिवारी, डॉ. सोभित तिवारी सहित पूरा परिवार शामिल रहा। दूसरे दिन रथ यात्रा लखूरन से प्रारंभ हुई तथा चौपडा पंहूची यात्रा में श्रद्धालूजनो को भारी उत्साह देखा गया तथा भगवान जगन्नाथ के जयकारो से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो गया। इस अवसर पर आर.डी. शुक्ला, विनोद अवस्थी, प्रदीप द्विवेदी, राजेंद्र मिश्रा, भगवत मिश्रा, शिवकुमार शुक्ला, सोमेश मिश्रा, मिथलेश दीक्षित सहित आदि।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर

सीधी, बुधवार 10 जुलाई 2024

स्वच्छ भारत मिशन के तहत निगम आयुक्त डॉ0 सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम रीवा द्वारा शहरी स्वच्छता आधारित एक दिवसीय सफाई अभियान के अंतर्गत प्लाग रन जीरो वेस्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

शिक्षा विकास की धुरी, इसके गुणवत्ता पर ध्यान दे : कमिश्नर

रीवा। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशासनिक व्यवस्थाओं तथा विकास कार्यों के क्रियान्वयन की समीक्षा की। कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शासन द्वारा कार्यालयीन समय सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक निर्धारित किया गया है। सभी कार्यालयों का सुबह 10 बजे खुलना सुनिश्चित करें। कलेक्टर तथा अन्य अधिकारी कार्यालयों का नियमित रूप से निरीक्षण कर इसे कारगर बनाएं। अस्पतालों में बायोमेट्रिक उपस्थिति तथा कार्यालयों में व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से भी इसकी मॉनीटरिंग करें। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य विकास योजनाओं का क्रियान्वयन और जनकल्याण है। आमजनता की कठिनाईयों को दूर करने के लिए प्रभावी व्यवस्था करें। जन सुनवाई के साथ-साथ कलेक्टर प्रत्येक शुक्रवार को सुबह 11 बजे से 12 बजे तक मोबाइल फोन पर भी

आमजनता की समस्याएं सुनकर उनका निराकरण कराएं।

कमिश्नर ने कहा कि सुशासन को ग्राम पंचायत तक सुदृढ़ करें। शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होगा तो सीएम हेल्पलाइन के प्रकरण अपने आप घटेंगे। विभिन्न योजनाओं के लाभ से वंचित होने पर ही सीएम हेल्पलाइन में आमजन शिकायत दर्ज करते हैं। सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण के लिए सभी अधिकारी प्रतिदिन प्रयास करें। इसमें यदि कोई प्रकरण बिना किसी कार्यवाही के एल-1 से आगे बढ़ा तो संबंधित पर कार्यवाही करें। सभी कलेक्टर सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों में से 50 प्रतिशत का 30 दिवस में अनिवार्य रूप से निराकरण कराएं। योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को हर माह लक्ष्य निर्धारित करें। इसकी पूर्ति के अनुसार अधिकारियों का मूल्यांकन करें। हाल ही में तीन नए कानून एक जुलाई से लागू किए गए हैं। जिले में आयोजित प्रत्येक महत्वपूर्ण आयोजन में नए कानूनों की जानकारी दें। पुलिस, राजस्व तथा अन्य विभाग के अधिकारियों की प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित कर इन कानूनों की जानकारी दें।

बैठक में कमिश्नर ने स्कूल चलें हम अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि शाला जाने योग्य प्रत्येक बच्चे का शाला में प्रवेश सुनिश्चित करें। अभी बच्चों के प्रवेश की स्थिति संतोषजनक नहीं है। कलेक्टर इसकी नियमित समीक्षा करें। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए निरंतर प्रयास करें। शिक्षा ही विकास की धुरी है। स्कूलों का नियमित संचालन सुनिश्चित करें। सभी जिलों में 14 जुलाई से उत्कृष्ट कालेज भी शुरू हो रहे हैं। इसके लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लें। कमिश्नर ने अधिकारियों को अतिवृष्टि की स्थिति में बाढ़ से राहत और बचाव के लिए समुचित उपाय के निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि जिन क्षेत्रों में बाढ़ की आशंका हो वहाँ आवश्यक उपकरणों, नाव तथा बचाव दल की व्यवस्था कर लें। शासन द्वारा हाल ही में एयर एंबुलेंस की सुविधा शुरू की गई है। कलेक्टर और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मिलकर आवश्यक होने पर रोगी को तत्काल एयर एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी वर्षा जनित रोगों से बचाव के लिए प्रत्येक गांव में आवश्यक दवाओं का भण्डारण कराएं। किसी भी क्षेत्र में उल्टी दस्त या अन्य महामारी का प्रकोप होने पर रैपिड दल से तत्काल उपचार की व्यवस्था कराएं। कमिश्नर ने कहा कि पूरे संभाग में पशुओं के सड़कों पर विचरण की बड़ी समस्या है। निराश्रित पशुओं को गौशालाओं में भेजने के लिए उचित प्रबंध करें। अधूरी गौशालाओं का निर्माण पूरा कराकर उनका भी संचालन सुनिश्चित करें। निराश्रित गौवंश के लिए आमजनों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से ही उचित व्यवस्था की जा सकती है।

आरोपी पर दो हजार का ईनाम

रीवा। पुलिस अधीक्षक मऊगंज वीरेन्द्र जैन ने थाना नईगढ़ी में दर्ज आपराधिक प्रकरण में फरार दो आरोपियों की गिरफ्तारी पर दो-दो हजार रुपए का ईनाम घोषित किया है। इस मामले में आरोपी उमेश यादव पिता छाहुर यादव आयु 43 वर्ष तथा श्रीमती ललिता यादव पति उमेश यादव आयु 40 वर्ष दोनों निवासी ग्राम कुशहा अपराध दिनांक से फरार हैं। इन्हें तलाश करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इनको गिरफ्तार करने अथवा गिरफ्तारी के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना देने पर दो-दो हजार रुपए के ईनाम की घोषणा की गई है। ईनाम की घोषणा पुलिस रेग्युलेशन एक्ट के प्रावधानों के तहत की गई है।

पाण्डेन टोला विद्यालय बनेगा शहर का दूसरा सीएम राइज स्कूल

रीवा। रीवा शहर का पाण्डेन टोला विद्यालय दूसरा सीएम राइज स्कूल होगा। पी.के. कन्या विद्यालय के बाद पाण्डेन टोला में सीएम राइज स्कूल का निर्माण कराया जायेगा।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम: उप-मुख्यमंत्री

उप-मुख्यमंत्री ने माँ की स्मृति में पौधरोपण किया

रीवा। उप-मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह अभियान आज एक जन-आंदोलन बन गया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के आह्वान पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने 5 करोड़ 50 लाख पौधरोपण का संकल्प लिया है। विगत दिनों भोपाल में एक दिन में रिकॉर्ड 12 लाख पौधे रोपे गए। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय के नेतृत्व में इंदौरवासियों ने 51 लाख पौधरोपण का संकल्प लिया है।

उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह अभियान प्रकृति के प्रति हमारे कर्तव्यों को रेखांकित करता है, सेवा करने का अवसर प्रदान करता है। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने भोपाल में चार इमली स्थित निवास के सम्मुख अपनी माताजी की स्मृति में बरगद के पौधे का रोपण किया। उप-मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अभियान में सहभागिता कर पौधरोपण करने और उनका संरक्षण करने के अपील की है। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल के साथ सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह और अन्य जनप्रतिनिधियों ने पौधों का रोपण किया। बरगद, नीम, कदंब सहित अन्य पौधों का रोपण किया गया।

परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण के लिये अब 25 जुलाई तक कर सकते हैं आवेदन

रीवा। अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को मध्यप्रदेश राज्य सिविल सेवा मुख्य परीक्षा, बैंकिंग, रेलवे, एसएससी, बीमा तथा कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित चयन परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। परीक्षा पूर्व यह प्रशिक्षण ज्ञानोदय विद्यालय केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-एक के पास निःशुल्क दिया जायेगा। प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए अनुसूचित जाति एवं जनजाति के पात्र आवेदक अब 25 जुलाई तक कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा पंजीकृत डाक से आवेदन जमा कर सकते हैं। इससे पूर्व आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 10 जुलाई निर्धारित की गयी थी। इसके लिए आवेदक की आयु 18 से 35 वर्ष तथा परिवार की वार्षिक आय 6 लाख रुपए कम होना आवश्यक है। आवेदक को न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता की परीक्षा में 55 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करना आवश्यक है। यदि आवेदकों की संख्या अधिक हुई तो अंकों के आधार पर सूची तैयार कर अधिकतम अंकों से क्रमशः चयन किया जाएगा। इस संबंध में संस्था के प्राचार्य ने बताया कि प्रशिक्षण के लिए चयन होने के बाद विद्यार्थी को पाँच सौ रुपए की सुरक्षा निधि तथा अनुबंध जमा करना आवश्यक होगा। सुरक्षा निधि प्रशिक्षण पूरा होने के बाद वापस की जाएगी। मध्यप्रदेश राज्य सिविल सेवा परीक्षा के लिए प्रशिक्षण की अवधि 12 माह की होगी। बैंकिंग, रेलवे, बीमा, एसएससी एवं कर्मचारी चयन मण्डल की परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षण अधिकतम 6 माह का होगा। जिन परीक्षाओं में शामिल होने के लिए प्रवेश परीक्षा की अनिवार्यता है उनकी आवेदन के साथ ऑनलाइन पंजीयन का विवरण संलग्न करना अनिवार्य होगा। प्रशिक्षण के संबंध में अन्य विवरण टेलीफोन नम्बर 07662-299221 पर संपर्क करके प्राप्त किया जा सकता है।

कलेक्टर ने रानी तालाब का किया औचक निरीक्षण

रानी तालाब एवं परिसर की सुंदरता व स्वच्छता बनाये रखने के दिये निर्देश

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने रानी तालाब का औचक निरीक्षण करते हुए तालाब एवं परिसर की सुंदरता व स्वच्छता बनाये रखने के निर्देश दिये। उन्होंने रानी तालाब के पाथ वे के कटाव को रोकने की व्यवस्था करने तथा खाली पड़ी भूमि में वृक्षारोपण किये जाने हेतु विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया।

कलेक्टर ने रानी तालाब परिसर में उखड़ी टाइल्स एवं जालियों को पुनः लगाने तथा पूर्व की निर्मित खण्डर दूकानों को हटाकर समतल कराते हुए पेवर ब्लाक लगाने के निर्देश दिये ताकि उस स्थान का उपयोग भण्डारे आदि के लिये किया जा सके। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कहा कि रानी तालाब मंदिर आस्था का केन्द्र है तथा तालाब व इसका परिसर आकर्षण का केन्द्र है अतः इसकी साफ-सफाई व व्यवस्थायें दुरूस्त रखने के प्रयास होने चाहिए ताकि यह अपने स्वरूप को बनाये रख सके। उन्होंने रानी तालाब मंदिर के बाहर अस्थाई प्रसाद की दूकानों के स्थान पर स्थायी दूकानें निर्माण के लिये कार्ययोजना बनाने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये। कलेक्टर ने स्पष्ट लौर पर निर्देशित किया कि अवांछित तत्वों का प्रवेश रोकने की व्यवस्थायें दुरूस्त करें ताकि यहां की परिसम्पत्तियों को नुकसान न हो। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिये कि कचरे का उठाव दिन में दो बार करायें तथा मंदिर एवं संपूर्ण परिसर की अच्छे ढंग से सफाई हो। भ्रमण के दौरान एसडीएम हुजूर वैशाली जैन, कार्यपालन यंत्री नगर निगम राजेश सिंह, नायब तहसीलदार यतीश शुक्ला एवं नगर निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

ज्ञानोदय स्कूल में प्रवेश का अवसर

रीवा। आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय रीवा में कक्षा 11वीं में प्रवेश प्रक्रिया जारी है। शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए गणित संकाय, जीव विज्ञान संकाय तथा वाणिज्य संकाय में प्रवेश दिया जा रहा है। इनमें अनुसूचित जाति बालक और अनुसूचित जाति बालिकाओं के लिए प्रवेश का अवसर है। कक्षा दसवीं की परीक्षा न्यूनतम 60 प्रतिशत अधिक अंकों से उत्तीर्ण करने वाले अनुसूचित जाति के विद्यार्थी प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 22 जुलाई है।

कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी तथा मछली पालन विभाग मिलकर करें कार्य : कमिश्नर

रीवा। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में विकास योजनाओं की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि संभाग के सभी जिलों में ग्रामीण क्षेत्र की अर्थव्यवस्था का आधार खेती है। खेती को व्यवस्थित और उन्नत करके ही किसानों की आय में वृद्धि संभव है। इसके साथ-साथ किसानों को पशुपालन, मुर्गीपालन, बकरी पालन, मछली पालन तथा उद्यानिकी फसलों से भी जोड़ना आवश्यक है। कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, उद्यानिकी विभाग तथा मछली पालन विभाग के ग्राम स्तर से लेकर संभाग स्तर तक के अधिकारी मिलकर कार्य करें। सबके समन्वय और सहयोग से ही कृषि क्षेत्र का विकास होगा। कमिश्नर ने कहा कि प्रत्येक जिले में कृषि व्यवस्था से जुड़े विभागों की प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जाएंगी। इनमें कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन तथा मछली पालन विभाग के ग्राम स्तर एवं विकासखण्ड स्तर तक के अधिकारियों को एक-दूसरे विभाग के योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी। इन विभागों के अधिकारी योजनाओं के क्रियान्वयन तथा लक्ष्यपूर्ति में एक दूसरे को सहयोग करेंगे। जिन विभागों के ग्राम स्तर पर कर्मचारी नहीं हैं उन्हें अन्य विभाग योजनाओं के क्रियान्वयन में सहयोग देंगे। हर विभाग का मुख्य उद्देश्य आमजनता का कल्याण करना ही है। जब हम किसी दूसरे विभाग को सहयोग करते हैं तो किसी न किसी रूप में अपने विभाग का ही कार्य कर रहे होते हैं। कमिश्नर ने कहा कि संयुक्त संचालक कृषि जिलेवार प्रशिक्षण कार्यशाला की तिथि और स्थानों का निर्धारण कर लें। इसमें शामिल होने वाले मैदानी कर्मचारियों को समय पर सूचना देना सुनिश्चित करें। संभाग स्तर पर जिलेवार व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर इसमें संबंधित विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को शामिल करें। इस ग्रुप में सभी अधिकारी अपने विभाग की मैदानी गतिविधियों की नियमित रूप से जानकारी देंगे।

दस्तक अभियान में 2.82 लाख बच्चों के स्वास्थ्य की होगी जाँच

रीवा। जिले भर में 25 जून से 27 अगस्त तक स्वास्थ्य विभाग द्वारा दस्तक अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत पाँच साल तक के सभी बच्चों के स्वास्थ्य की जाँच की जा रही है। अभियान के दौरान जिले के 2776 गांवों में दो लाख 82 हजार से अधिक बच्चों के स्वास्थ्य की जाँच की जाएगी। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने बताया कि दस्तक अभियान के लिए प्रत्येक विकासखण्ड में प्रशिक्षित दल तैनात किए गए हैं। इस दल में एएनएम, आशा कार्यकर्ता, स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शामिल हैं। इनके द्वारा घर-घर जाकर पाँच साल तक के सभी बच्चों के स्वास्थ्य की जाँच की जा रही है। अब तक 184 गांवों में 14548 बच्चों के स्वास्थ्य की जाँच की जा चुकी है। इनमें जाँच के बाद 102 बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित पाए गए। इसके साथ-साथ 26 बच्चे मध्यम कुपोषित, 89 में खून की कमी और 392 बच्चे दस्त से पीड़ित पाए गए। सभी चिन्हित बच्चों को अतिरिक्त पोषण आहार एवं समुचित उपचार की सुविधा दी गई है। बच्चों को विटामिन ए का घोल, जिंक की टैबलेट तथा ओआरएस दिया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि दस्तक अभियान में जो बच्चे कुपोषित अथवा बीमार मिल रहे हैं उन्हें उपचार की सुविधा देने के साथ-साथ उनका लगातार फॉलोअप किया जा रहा है।

जन सुनवाई में 94 आवेदन पत्रों में की गई सुनवाई

रीवा। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जन सुनवाई में आमजनता से मिले 94 आवेदन पत्रों में सुनवाई की गई। संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय तथा डिप्टी कलेक्टर श्रेयश गोखले ने आवेदन पत्रों में सुनवाई की। जन सुनवाई में जमीन के सीमांकन, भू अर्जन की राशि देने, अवैध कब्जा हटाने, उपचार सहायता सहित विभिन्न आवेदनों में सुनवाई की गई। जन सुनवाई में पंकज सिंह निवासी डिहिया ने रायपुर कर्चुलियान में अवैध रूप से बनाई गई कालोनी में आवासीय प्लाटों की बिक्री रोकने के लिए आवेदन दिया। एसडीएम रायपुर कर्चुलियान को प्रकरण में कार्यवाही के निर्देश दिए गए। श्वेता बाधवानी निवासी घोघर रीवा ने उन्हें मिली पट्टे की जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करने तथा अवैध कब्जा हटाने के लिए आवेदन दिया। संयुक्त कलेक्टर ने प्रभारी अधिकारी नजूल तथा थाना प्रभारी सिविल लाइन को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए।

जन सुनवाई में पंकज सिंह निवासी डिहिया ने बाईपास मार्ग के लिए रायपुर कर्चुलियान एवं महसुआ में अधिग्रहीत किसानों की जमीन को खसरे और नक्शे में सरकारी रिकार्ड में दर्ज कराने के लिए आवेदन दिया। एसडीएम रायपुर कर्चुलियान को तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए गए। बृजमोहन पटेल निवासी ग्राम गहिरा ने बाणसागर नहर के लिए अर्जित भूमि का मुआवजा देने के लिए आवेदन दिया। एसडीएम हुजूर को मुआवजा प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए गए। प्रीतम प्राण त्रिपाठी निवासी ग्राम उमरी ने जमीन के नामांतरण प्रकरण को तहसीलदार हुजूर द्वारा एक वर्ष बाद बिना उचित कारण निरस्त करने की शिकायत की गई।

ननि द्वारा एक दिवसीय स्वच्छता अभियान के तहत किया गया प्लॉग रन जीरो वेस्ट कार्यक्रम का आयोजन

रीवा। स्वच्छ भारत मिशन के तहत निगम आयुक्त डॉ0 सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम रीवा द्वारा दिनांक 09/07/24 को शहरी स्वच्छता आधारित एक दिवसीय सफाई अभियान के अंतर्गत प्लाग रन जीरो वेस्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ नगर निगम परिसर से स्वच्छता के नोडल अधिकारी श्री एचके त्रिपाठी, स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर डॉ. मुकेश येंगल, स्वास्थ्य अधिकारी श्री बालगोविंद चतुर्वेदी एवं सहायक स्वच्छता नोडल श्री राजेश मिश्रा के द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। प्लॉग रन के आयोजन के दौरान उत्तम स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं स्वच्छता का संदेश दिया गया।

बिना परमिट जब्त की गई 25 स्कूल बसें, 55 बसों पर लगा जुर्माना

रीवा। माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देश के परिपालन में शासन द्वारा स्कूल बसों के संचालन के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने सभी स्कूल संचालकों से विद्यार्थियों के आवागमन के लिए उपयोग में आने वाली बसों में दिशा निर्देशों का पालन करते हुए सुरक्षा के समुचित प्रबंध के आदेश दिए हैं। कलेक्टर ने जिला परिवहन अधिकारी को भी स्कूल बसों की नियमित जाँच करके सुरक्षा मानकों का पालन कराने के निर्देश दिए हैं। इसके परिपालन में जिले भर में 23 मई से स्कूल बसों की परिवहन अमले द्वारा जाँच की जा रही है। इस संबंध में जिला परिवहन अधिकारी मनीष त्रिपाठी ने बताया कि अब तक कुल 312

स्कूल बसों की जाँच की गई है। इसमें बिना परमिट चल रही 25 बसों को जब्त किया गया है। इसी तरह एक बस बिना फिटनेस के पाए जाने पर उस पर तीन हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। पाँच बसों में अग्निशमन यंत्र न पाए जाने पर चालानी कार्यवाही की गई। इसी तरह 9 बसों में फर्स्टएड बॉक्स न पाए जाने तथा 15 बसों में सही नम्बर प्लेट न पाए जाने पर चालानी कार्यवाही की गई। जाँच के दौरान 6 बसों में स्पीड गवर्नर न मिलने पर उनमें 6 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। इसी तरह 7 बसों में कैमरा लगा नहीं पाया गया। उनके विरूद्ध चालानी कार्यवाही करते हुए 3500 रुपए का जुर्माना लगाया गया।

जाँच के दौरान मोटरयान अधिनियम 1988 की विभिन्न धाराओं का उल्लंघन करते पाए जाने पर 12 बसों पर चालानी कार्यवाही करते हुए 19500 रुपए का जुर्माना लगाया गया। अभियान के दौरान अब तक 55 बसों पर 49 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। जिला परिवहन अधिकारी ने कहा है कि सभी स्कूल बस संचालक शासन द्वारा निर्धारित किए गए सुरक्षा प्रबंधों तथा मानकों का पालन करते हुए स्कूल बस संचालित करें। सभी स्कूल संचालक भी उनकी संस्था के विद्यार्थियों के लिए उपयोग की जाने वाली बसों एवं अन्य वाहनों में सुरक्षा उपायों तथा निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करें। जाँच के दौरान किसी भी तरह की कमी पाए जाने पर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी , आर.एन.आई नं. 47589/88 , डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833